■ श्रावण शुक्ल - 13 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 26 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 18-08-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 दलगत राजनीति से ऊपर उठें राजनीतिक दल : मायावती

6 कर्नल सोनम वांगचुकः 'लद्दाख के शेर' को देखकर साथियों के शव छोड़कर भागे थे पाकिस्तानी फौजी

7 मशहूर होना व ग्लैमर की दुनिया में तहलका मचाना : उर्फी जावेद

फर्स्ट टेक

भाजपा 10 करोड़ नए सदस्य बनाएगी

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आज तय किया कि अगले माह शुरू हो रहे सदस्यता अभियान में भाजपा में 10 करोड़ नये सदस्य जोड़ना है। पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में शनिवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में भाजपा राष्ट्रीय सदस्यता अभियान बैठक में यह तय किया गया। बैठक में राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं प्रदेश के पदाधिकारी शामिल हुए। पार्टी के प्रवक्ता संबित पात्रा ने देर शाम को संवाददाताओं से कहा कि बैठक में, भाजपा राष्ट्रीय सदस्यता अभियान किस प्रकार से आगे बढ़ेगा, इस पर सघन चिंतन हुआ। उन्होंने कहा कि आगामी एक सितंबर से सदस्यता अभियान शुरू होने वाला है। जिसका लक्ष्य है 10 करोड़ से अधिक लोगों को भाजपा का सदस्य बनाना है।

नाइजीरिया में बंदूकधारियों ने 20 छात्रों का अपहरण किया

अबुजा/एपी। नाइजीरिया के उत्तर-मध्य क्षेत्र में बंदूकधारियों ने एक विश्वविद्यालय के छात्रों के वाहनों पर घात लगाकर हमला कर कम से कम 20 छात्रों का अपहरण कर लिया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बेन्यू राज्य पुलिस प्रवक्ता कैथरीन एनेन ने बताया कि छात्र जब मेडिकल छात्रों के एक सम्मेलन में शामिल होने के लिए दक्षिण की ओर जा रहे थे, तभी बृहस्पतिवार शाम को बेन्यू में उन पर घात लगाकर हमला किया गया। यह हमला बेनुए ओटुकपो मार्ग पर हुआ, जहां अपहरण की घटनाएं अक्सर होती रहती हैं। उत्तरी नाइजीरिया के कुछ हिस्सों में अपहरण की इस तरह की घटनाएं आम हैं।

वक्फ विधेयक संबंधी संसदीय समिति की पहली बैठक 22 अगस्त को

नई दिल्ली/भाषा। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार करने के लिए गठित संसद की संयुक्त समिति की पहली बैठक अगले सप्ताह 22 अगस्त को होगी। लोकसभा सचिवालय के एक नोटिस में कहा गया है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद जगदंबिका पाल की अध्यक्षता वाली समिति 22 अगस्त को अल्पसंख्यक कार्य तथा विधि एवं न्याय मंत्रालयों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेगी। सचिवालय ने कहा कि अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के प्रतिनिधियों से समिति को ''विधेयक में प्रस्तावित संशोधनों'' के बारे में जानकारी देने की उम्मीद है। सरकार ने वक्फ बोर्ड को नियंत्रित करने वाले कानून में संशोधन से संबंधित विधेयक गत आठ अगस्त को लोकसभा में पेश किया था जिसे सत्तापक्ष एवं विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक एवं चर्चा के बाद संयुक्त समिति को भेजने का फैसला हुआ था।

18-08-2024 सूर्यास्त	19-08-2024 सूर्योदय
6:28 बजे	5:57 बजे

BSE	NSE
80,436.84	24,541.15
(+1,330.96)	(+397.40)

सोना	चांदी
7,382 रु.	89,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

गंभीर चुनौतियों से निपटने के लिए एक साथ मिलकर काम करें : मोदी

मोदी ने 'ग्लोबल साउथ' के देशों में विकास को बढ़ावा देने के लिए वैश्विक विकास समझौते का प्रस्ताव रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद हमारे समाज के लिए गंभीर खतरा बने हुए हैं।

■ यह समय की मांग है कि ग्लोबल साउथ के देश एकजुट हों, एक आवाज में खड़े हों और एक-दूसरे की ताकत बनें।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुनियाभर में ''अनिश्चितताओं'' के परिणामों पर चिंता जताते हुए शनिवार को 'ग्लोबल साउथ' के देशों से खाद्य एवं ऊर्जा सुरक्षा संकट एवं आतंकवाद की चुनौतियों से निपटने के लिए एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया।

मोदी ने भारत द्वारा डिजिटल रूप से आयोजित 'वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ' सम्मेलन के तीसरे संस्करण के शुरुआती भाषण में कहा कि भारत 'सोशल इम्पैक्ट फंड' में 2.5 करोड़ डॉलर का प्रारंभिक योगदान देगा, जिसका उद्देश्य 'ग्लोबल साउथ' में डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा (डीपीआई) विकसित करना है।

उन्होंने आपसी व्यापार और समावेशी विकास को बढ़ावा देने तथा सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए 'ग्लोबल साउथ' या विकासशील देशों के साथ अपनी क्षमताओं को साझा करने की भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

मोदी ने कहा कि दुनियाभर में ''अनिश्वतता का माहौल'' है और दुनिया अब भी पूरी तरह से कोविड-19 महामारी के प्रभाव से बाहर नहीं आयी है। उन्होंने कहा कि युद्ध के कारण विकास को नयी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, ''हम पहले ही जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं और अब स्वास्थ्य सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंताएं हैं।''

प्रधानमंत्री ने कहा, ''आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद हमारे समाज के लिए गंभीर खतरा बने हुए हैं। प्रौद्योगिकी विभाजन और प्रौद्योगिकी से जुड़ी नयी आर्थिक व सामाजिक चुनौतियां भी सामने आ रही हैं।'' उन्होंने कहा कि पिछली शताब्दी में स्थापित वैश्विक शासन और वित्तीय संस्थान वर्तमान शताब्दी की चुनौतियों का सामना करने में असमर्थ हैं। उन्होंने कहा, ''यह समय की मांग है कि ग्लोबल साउथ के देश एकजुट हों, एक आवाज में खड़े हों और एक-दूसरे की ताकत बनें। आइए हम एक-दूसरे के अनुभवों से सीखें।''

मोदी ने कहा, ''आइए हम अपनी क्षमताओं को साझा करें। आइये हम सब मिलकर अपने संकल्पों को सिद्ध करें। आइये हम सब मिलकर दो-तिहाई मानवता को पहचान दिलायें।'' उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में, भारत 'ग्लोबल साउथ' या विकासशील देशों, विशेष रूप से अफ्रीकी महाद्वीप की चिंताओं, चुनौतियों और आकांक्षाओं को उजागर करते हुए खुद को एक अग्रणी आवाज के रूप में स्थापित कर रहा है।

एमयूडीए भूमि आवंटन 'घोटाले' के संबंध में

कर्नाटक के राज्यपाल ने दी मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने को मंजूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूमि आवंटन 'घोटाले' के संबंध में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है तथा कहा कि मामले की एक तटस्थ, वस्तुनिष्ठ और गैर-पक्षपातपूर्ण जांच कराना बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वह प्रथम दृष्टया इस बात से संतुष्ट हैं कि आरोप और मामले से जुड़ी संबंधित सामग्री अपराध किए जाने का खुलासा करती हैं।

राज्यपाल ने मंत्रिपरिषद द्वारा लिए गए उस निर्णय को ''अतार्किक'' करार दिया जिसमें मुख्यमंत्री को जारी कारण बताओ नोटिस वापस लेने तथा मुकदमा चलाने की मंजूरी की मांग करने वाली याचिका को खारिज करने की सलाह दी गई थी। राज्यपाल ने अपने निर्णय में कहा, याचिका के साथ आरोपों के समर्थन में सामग्री, सिद्दरामय्या के उत्तर, राज्य मंत्रिमंडल की सलाह और कानूनी राय की समीक्षा करने पर मुझे लगता है कि एक ही तथ्य के संदर्भ में दो अलग-अलग पक्ष हैं। उन्होंने कहा, यह बहुत जरूरी है कि निष्पक्ष, वस्तुनिष्ठ और गैर-पक्षपाती जांच की जाए। मैं प्रथम दृष्टया संतुष्ट हूं कि आरोप और सहायक सामग्री अपराध किए जाने का खुलासा करती हैं। तथ्यों और परिस्थितियों के मद्देनजर गहलोत ने कहा कि वह संतुष्ट हैं कि टी जे अब्राहम, प्रदीप कुमार एस पी और स्नेहमयी कृष्णा की याचिकाओं में उल्लिखित अपराधों को करने के आरोपों पर मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ मुकादमा चलाने की मंजूरी दी जा सकती है।

उन्होंने कहा, अतः मैं मुख्यमंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218 के तहत याचिकाओं में उल्लिखित कथित अपराधों के लिए में अभियोजन की मंजूरी देता हूं। अधिवक्ता- सामाजिक कार्यकर्ता टी जे अब्राहम द्वारा दायर याचिका के आधार पर राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 26 जुलाई को एक 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया था, जिसमें मुख्यमंत्री को निर्देश दिया गया था कि वह सात दिनों के भीतर उनके खिलाफ आरोपों पर जवाब प्रस्तुत करें कि उनके खिलाफ अभियोजन की अनुमति क्यों न दी जाए।

सिद्दरामय्या ने इस्तीफा देने से किया इनकार

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूखंड आवंटन 'घोटाला' मामले में उनके खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा दी गई मंजूरी को 'अवैध' करार देते हुए कानूनी लड़ाई लड़ने की शनिवार को प्रतिबद्धता जताई और इस मुद्दे पर इस्तीफा देने से इनकार कर दिया। सिद्दरामय्या ने कहा कि पूरे मंत्रिमंडल, कांग्रेस आलाकमान और विधायकों ने उनके साथ एकजुटता व्यक्त की है।

मुकदमा चलाये जाने की मंजूरी के कुछ घंटे बाद आयोजित कैबिनेट की विशेष बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ''मुझे बताएं कि मुझे क्यों और किस कारण से इस्तीफा देना चाहिए?... राज्यपाल को इस्तीफा देना चाहिए क्योंकि उन्होंने भारत सरकार के हाथों की कठपुतली की तरह काम किया है।'' उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल ने उनके खिलाफ मुकदमा चलाने के राज्यपाल के फैसले को ''अवैध'' और ''असंवैधानिक'' करार दिया तथा इसकी निंदा की।

कुछ लोग राजनीतिक हित को राष्ट्र हित से ऊपर रखते हैं : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वेंकटचलम (आंध्र प्रदेश)/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को यहां कहा कि देश में कुछ लोगों ने अपने राजनीतिक हित को राष्ट्र हित से ऊपर रखा है और उम्मीद है कि उन्हें सद्बुद्धि आएगी। उपराष्ट्रपति ने उम्मीद जताई कि ऐसे लोग देश की स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए किए गए सर्वोच्च बलिदानों से कुछ सीखेंगे।

नेल्लोर जिले के वेंकटचलम में स्वर्ण भारत ट्रस्ट की बैठक को संबोधित करते हुए धनखड़ ने कहा,'' देश में कुछ लोगों ने अनुचित कारणों से अपने राजनीतिक हित को राष्ट्र हित से ऊपर रखा है। उम्मीद करते हैं और प्रार्थना करते हैं कि उनमें समझ आए।''

धनखड़ ने इस बयान से ठीक एक दिन पहले शुक्रवार को चिंता व्यक्त की थी कि संवैधानिक पद पर बैठा एक व्यक्ति उच्चतम न्यायालय से स्वत: संज्ञान लेने के लिए कह रहा है ताकि ''हमारी अर्थव्यवस्था को नष्ट करने के उद्देश्य वाले विमर्श'' को हवा दी जा सके।

उनका इशारा संभवत: लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की ओर था। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च बलिदानों के माध्यम से प्राप्त स्वतंत्रता को हर पल पोषित किया जाना चाहिए।

इसके अलावा धनखड़ ने कहा कि प्रत्येक भारतीय को आर्थिक राष्ट्रवाद में विश्वास करना चाहिए और उन्होंने इसे स्थानीय वस्तुओं को बढ़ावा देने का परिचायक बताया। उन्होंने कहा कि भारत का विदेशी मुद्रा भंडार देश से बाहर जा रहा है क्योंकि अनावश्यक वस्तुओं का आयात होने से उद्यमिता प्रभावित हो रही है।

आगजनी मामले में पुलिस ने कांग्रेस विधायक को हिरासत में लिया

दुर्ग/भाषा। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में जून में हुई हिंसा के मामले में पुलिस ने कांग्रेस विधायक देवेंद्र

यादव को दुर्ग जिले से हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद बड़ी संख्या में यादव के समर्थक भिलाई नगर इलाके में उनके आवास के बाहर जमा हो गए और उन्होंने उनके समर्थन में नारे लगाए। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने बताया कि यादव को पुलिस ने दुर्ग से हिरासत में लिया और आगे की कार्रवाई के लिए उन्हें बलौदाबाजार लाया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि उसने बलौदाबाजार आगजनी मामले के सिलसिले में यादव को बयान दर्ज करने के लिए तीन बार बुलाया था, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला जिसके बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की गई।

चिकित्सकों की हड़ताल में शामिल हुए निजी अस्पताल, ओपीडी सेवाएं बंद

कोलकाता के एक अस्पताल में महिला चिकित्सक के साथ कथित बलात्कार एवं हत्या के विरोध में चिकित्सकों की हड़ताल तेज होती जा रही है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कोलकाता के एक अस्पताल में महिला चिकित्सक के साथ कथित बलात्कार एवं हत्या के विरोध में चिकित्सकों की हड़ताल तेज होती जा रही है। शुक्रवार को दिल्ली के प्रमुख निजी अस्पताल भी इस विरोध प्रदर्शन में शामिल होते हुए अपनी ओपीडी, वैकल्पिक सर्जरी और आईपीडी सेवाएं बंद कर दीं।

राजधानी में रेजिडेंट डॉक्टर सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। शुक्रवार को हड़ताल के छठे दिन सरकारी अस्पतालों के साथ-साथ निजी अस्पताल भी इसमें शामिल हो गए हैं।

सर गंगा राम, फोर्टिस एवं अपोलो जैसे अस्पतालों ने अपनी ओपीडी, वैकल्पिक सर्जरी एवं आईपीडी सेवाएं बंद कर दी हैं।

सर गंगा राम अस्पताल के प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. अजय स्वरूप ने कहा, हमने ओपीडी, वैकल्पिक ऑपरेशन थियेटर और आईपीडी सेवाएं पूरी तरह बंद करने की घोषणा की है। मेरा मानना है कि अधिकारियों पर दबाव बनाने और जांच प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए अब विरोध प्रदर्शन में शामिल होना और काम बंद करना जरूरी हो गया है, ताकि न्याय में देरी न हो। उन्होंने कहा, जब तक सभी स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए जाते, तब तक हम हड़ताल का पूरी तरह से समर्थन करते रहेंगे।

फोर्टिस हॉस्पिटल्स ने एक बयान में कहा, कोलकाता में हुई भयावह घटना से हम बेहद दुखी और स्तब्ध हैं। हिंसा के ऐसे कृत्य निंदनीय हैं खासकर उन लोगों के खिलाफ जो दूसरों के इलाज के लिए अपना जीवन समर्पित करते हैं। हम त्वरित न्याय की मांग करते हैं।

कानपुर के पास पटरी से उतरे साबरमती एक्सप्रेस के 20 डिब्बे

लखनऊ/भाषा। वाराणसी से अहमदाबाद जा रही साबरमती एक्सप्रेस के कम से कम 20 डिब्बे कानपुर के गोविंदपुरी स्टेशन के पास शुक्रवार देर रात पटरी से उतर गए। रेलवे ने यह जानकारी दी।

हालांकि, इस हादसे में जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

कानपुर के पुलिस आयुक्त अखिल कुमार ने बताया कि यह निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी कि यह दुर्घटना है या शरारती तत्व का काम है। उन्होंने कहा कि यह कुछ भी हो सकता है।

उत्तर-मध्य रेलवे (एनसीआर) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशिकांत त्रिपाठी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि देर रात करीब ढाई बजे साबरमती एक्सप्रेस के 20 डिब्बे कानपुर और भीमसेन रेलवे स्टेशन के बीच पटरी से उतर गए।

त्रिपाठी के मुताबिक, ट्रेन वाराणसी से अहमदाबाद जा रही थी और इस हादसे में किसी के मारे जाने या घायल होने की कोई खबर नहीं है। उन्होंने बताया कि राहत एवं बचाव कार्य जारी है।

पाकिस्तान मूल के व्यवसायी तहव्वुर राणा को भारत को प्रत्यर्पित किया जाए : अमेरिकी अदालत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ मुंबई में 2008 हुए भीषण आतंकवादी हमलों में आरोपी हैं पाकिस्तानी मूल का कनाडाई व्यवसायी तहव्वुर राणा

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका की एक अदालत ने मुंबई में 2008 हुए भीषण आतंकवादी हमलों में संलिप्तता के आरोपी एवं पाकिस्तानी मूल के कनाडाई व्यवसायी तहव्वुर राणा को बड़ा झटका देते हुए फैसला सुनाया है कि उसे प्रत्यर्पण संधि के तहत भारत को प्रत्यर्पित किया जा सकता है।

अमेरिका की नाइंथ सर्किट संबंधित अपीलीय अदाल ने 15 अगस्त को सुनाए अपने फैसले में कहा, ''(भारत अमेरिका प्रत्यर्पण) संधि राणा के प्रत्यर्पण की अनुमति देती है।''

राणा (63) ने कैलिफोर्निया में अमेरिकी जिला अदालत के आदेश के खिलाफ इस अपीलीय अदालत में याचिका दायर की थी। कैलिफोर्निया की जिला अदालत ने उसकी बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका को अस्वीकार कर दिया था। बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में मुंबई में आतंकवादी हमलों में राणा की कथित संलिप्तता के लिए उसे भारत प्रत्यर्पित किए जाने के मजिस्ट्रेट न्यायाधीश के आदेश को चुनौती दी गई थी।

अपीलीय अदालत के न्यायाधीशों के पैनल ने जिला अदालत के फैसले की पुष्टि की।

राणा फिलहाल लॉस एंजलिस की एक जेल में बंद है और वह 26/11 के मुंबई हमले में अपनी भूमिका को लेकर आरोपों का सामना कर रहा है। बताया जाता है कि उसका संबंध लश्कर-ए-तैयबा में पाकिस्तान मूल के अमेरिकी

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

दोषी कौन ?

घोषित अयोग्य जन प्रतिनिधि यदि,
दोषी जनमत या दल सुजान।
आखिर कब होगा सदनों में,
सच्ची शुचिता का प्रावधान।
कानून खिलौना है सबका,
इसलिए खिलंदड़ सब बयान।
हरदम क्यों दिखता लुंजपुंज,
डेमोक्रेसी में संविधान।।

सहज स्मृति योग

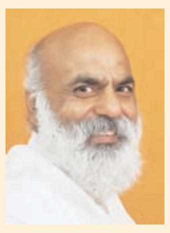

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: एक बार आपने कहा था कि यह तथ्य है कि आप सत्य बोलते हैं किन्तु यह सत्य नहीं है कि आप तथ्य बोलते हैं।मैं आजतक नहीं समझ पाया कि आपके इस कथन को कैसे समझूँ?

उत्तर: यह तो बड़ी सीधी सी बात है इसमें कोई लाग-लपेट या घुमाव-फिराव नहीं है। आप चिंतन करेंगे तो पाएँगे कि किसी भी व्यक्ति का हरेक विषय के पूरे के पूरे तथ्य जानने के लिए उसका केवल एक ही नहीं बल्कि हरेक विषय का अधुनातन विशेषज्ञ होना आवश्यक है जोकि असंभव है। एक व्यक्ति सीमित सी जीवन-अवधि में हरेक विषय का विशेषज्ञ नहीं हो सकता। अतः तथ्य बोलना असंभव है।ज्ञान की गहराई के अनुसार तथ्य निरंतर बदलते रहते हैं। इसे ही नवीन शोध कहा जाता है।

हम सब लोग, सामान्य ज्ञान या समाचार के आधार पर ही आपस में संवाद करते हैं और तथ्य की बड़ी ही उथली और काम चलाऊ परिभाषा लेकर चलते हैं, तथ्य की तात्त्विक परिभाषा हमारी कसौटी नहीं होती। हमें पूरे के पूरे तथ्य कभी ज्ञात नहीं होते हैं । जो किसी को आधे-अधूरे तथ्य ज्ञात भी हों तो हमेशा वे पूरे के पूरे किसी के स्मरण में आते नहीं हैं तो बोलेंगे कैसे? कदाचित हम सब ही, इसी सामान्य श्रेणी में आते हैं। जबकि, सत्य बोलने के लिए केवल अपने मन, वचन, कर्म को एक रखना पर्याप्त है जोकि, कृपा, संकल्प और साधना से हम सब ही रख सकते हैं। और सत्य बोल सकते हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मोदी सरकार पर लिखी तरुण चुग की पुस्तक का विमोचन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा नेता तरुण चुग द्वारा लिखी गयी एक पुस्तक का विमोचन किया, जिसके बारे में लेखक ने शनिवार को कहा कि इसमें (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में लाए गए 'परिवर्तनकारी' बदलावों को दर्शाया गया है, जिसमें चुनावी राज्य जम्मू-कश्मीर भी शामिल है।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव चुग ने संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी हर योजना और नीति के केंद्र में आम नागरिकों को रखा है, ऐसे बदलावों की शुरुआत की है जिससे समाज के सबसे कमजोर और गरीब तबके को सशक्त बनाया गया है तथा देश को भी मजबूती मिली है।

चुग ने कहा कि पुस्तक 'मोदीज गवर्नेंस ट्रायम्फः रीशेपिंग इंडियाज पाथ टू प्रॉसपेरिटी' प्रधानमंत्री के दशकों लंबे सार्वजनिक जीवन से ''प्रेरित'' है जो हमेशा देश के लिए 'समर्पित' रहा है।

जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनावों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि कम मतदान प्रतिशत के कारण लंबे समय तक इस क्षेत्र पर शासन करने वाले तीन परिवार अपने भविष्य की संभावनाओं को लेकर हिल गए हैं। उन्होंने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के 'युवराज' उमर अब्दुल्ला और पीडीपी की 'राजकुमारी' महबूबा मुफ्ती हालिया लोकसभा चुनावों में हार गए, जबकि नेहरू-गांधी परिवार की कांग्रेस अपना खाता भी नहीं खोल पायी।

उन्होंने कहा कि आगामी चुनावों में बड़ी संख्या में मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश में विकास और प्रशासनिक क्षमता की शुरुआत की है, जिससे इस क्षेत्र में जीवन के केंद्र में आतंकवाद नहीं बल्कि पर्यटन आ गया है। चुग ने कहा, ''बड़ी संख्या में लोगों द्वारा मतदान का बहिष्कार करने के कारण सत्ता में आए लोग हिल गए हैं।'' उन्होंने विश्वास जताया कि भाजपा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन करेगी। वह जम्मू-कश्मीर के लिए भाजपा के प्रभारी भी हैं।

पुस्तक के कथानक की बात करें तो इसमें विस्तार से बताया गया है कि किस तरह मोदी ने भाजपा के विचारक दीन दयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के दर्शन और समाज के सबसे गरीब लोगों के उत्थान को साकार किया है। उन्होंने विभिन्न अन्य योजनाओं का हवाला देते हुए कहा कि गरीबों के 50 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए हैं और उनमें से 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है।

क्रोध से प्रीति का नाश होता है : विनयमुनि खींचन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। यहां शिवाजीनगर के गणेशबाग में विराजित श्री विनयमुनिजी 'खींचन' ने आवश्यक सूत्र की विवेचना करते हुए कहा कि हमें छोटा सा जीवन मिला है। माता पिता के मन में खुशियों का फूल खिला है। फूल मुर्झाने से पहले अपने छोटे से जीवन में प्रीति के सौरभ में आत्मा को भावित कर लेना चाहिए। आगम दशवैकालिक में क्रोध से प्रीति का नाश होता है। संसार के मानवों में परस्पर व्यवहार में प्रीतियोग से ही जीवन में मिठास रहती है। प्रीति में निस्वार्थ प्रेम, हितकारी चिन्तन तथा परस्पर सहयोग देते हैं और लेते भी है। जीवन में श्रृंगार आभूषणों का शरीर पर करने के लिए दिन रात धन की भूख लगी है। शरीर के श्रृंगार के लिए व्यक्ति परेशान है जो एक दिन आग में जलना है। हमेशा आत्मा का श्रृंगार करें। आत्मा के श्रृंगार गुण रूपी आभूषणों से करने से स्व-पर का कल्याण होता है। सभा में अनेक क्षेत्रों से श्रावक पहुंचे। हलसूर के छह वर्षीय बालक देवांश बोरुंदिया ने सभा में भक्तामर स्त्रोत की सस्वर पारायण किया, सभी ने हर्षनाद किया।

कांग्रेस ने फिर की सेबी प्रमुख के इस्तीफे की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की प्रमुख माधवी बुच से जुड़ी एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए शनिवार को कहा कि उन्हें पद से इस्तीफा देना चाहिए।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि ''अदाणी महाघोटाले'' की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन की आवश्यकता है। उन्होंने जिस रिपोर्ट का हवाला दिया उसमें बुच पर निवेश कंपनी का उल्लेख करते हुए हितों के टकराव का आरोप लगाया गया है।

अमेरिकी संस्था हिंडनबर्ग रिसर्च ने हाल में अपनी एक रिपोर्ट में आरोप लगाया था कि सेबी की प्रमुख बुच और उनके पति की कथित अदाणी धन हेराफेरी घोटाले में इस्तेमाल किए गए अस्पष्ट 'विदेशी फंड' में हिस्सेदारी थी।

सेबी प्रमुख बुच और उनके पति ने एक संयुक्त बयान जारी कर हिंडनबर्ग के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे पूरी तरह से बेबुनियाद बताया था।

जयराम रमेश ने शनिवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''एक और दिन और सेबी प्रमुख के क्रियाकलापों में हितों के टकराव को लेकर कुछ और खुलासे। सेबी प्रमुख के हितों के टकराव ने पहले ही अदाणी समूह द्वारा प्रतिभूति कानूनों के उल्लंघन मामले में उच्चतम न्यायालय के आदेश पर हुई सेबी की जांच का मजाक बना दिया है।'' उन्होंने कहा, ''इतना सब कुछ सामने आने के बाद सेबी प्रमुख का अपने पद पर बने रहना न तो नैतिक रूप से सही है और न ही स्वीकार्य है। उन्हें इस्तीफ़ा देना चाहिए। साथ ही अदाणी 'महाघोटाले' की पूरी तरह से संयुक्त संसदीय समिति से जांच करानी चाहिए।''

प्राचीन ज्ञान, दर्शन विकसित राष्ट्र की दिशा में मार्गदर्शक बन सकते हैं: एसोचैम महासचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। उद्योग मंडल एसोचैम के महासचिव दीपक सूद ने कहा कि भारत का प्राचीन ज्ञान और दर्शन विकसित राष्ट्र की दिशा में मार्गदर्शक बन सकता है। उन्होंने शुक्रवार देर शाम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर एक पुस्तक के विशेष विमोचन समारोह में कहा कि हाल के वर्षों में भारत ने जो वृद्धि और उन्नति देखी है, वह देश के नेतृत्व का परिणाम है।

सूद ने कहा कि इस पुस्तक ने हमें बताया है कि हमने अपने लक्ष्य की ओर कितनी प्रगति की है। उन्होंने कहा, ''हमें प्राचीन ज्ञान और दर्शन का आशीर्वाद प्राप्त है, जो विकसित राष्ट्र की दिशा में हमारा मार्गदर्शक प्रकाश बन सकता है।''

अमेरिका के कॉर्नेल विश्वविद्यालय के पूर्व प्राध्यापक और इस समय क्षमता निर्माण आयोग में सदस्य (मानव संसाधन) आर बालासुब्रमण्यम की किताब 'पावर विदिन: द लीडरशिप लिगेसी ऑफ प्राइम मिनिस्टर नरेन्द्र मोदी' भारत के सभ्यतागत ज्ञान को दर्शाती है। इस किताब में यह बताया गया है कि किस तरह मोदी के रूप में स्वदेशी और प्राचीन ज्ञान ने आधुनिक समय में वैश्विक नेतृत्व को आकार दिया है।

इस पुस्तक का लोकार्पण टाटा समूह के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने किया। इस दौरान नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के प्रबंध निदेशक और सीईओ आशीष कुमार चौहान, पीरामल समूह की वाइस चेयरमैन स्वाति पीरामल, क्षमता निर्माण आयोग के चेयरमैन आदिल जैनुलभाई और आध्यात्मिक गुरु गौरांग दास प्रभु मौजूद थे।

आंगनवाड़ी कर्मियों के 3,000 और पद सृजित करेगी पंजाब सरकार: मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बरनाला/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार राज्य में आंगनवाड़ी कर्मियों के 3,000 नए पद सृजित करेगी।

मान ने रक्षा बंधन के अवसर पर यहां आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने इस संबंध में प्रक्रिया शुरू कर दी है तथा जल्द ही इन पदों के लिए भर्ती शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पेश करके उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में एक कदम है।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि राज्य सरकार एच.ए. (मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य) कार्यकर्ताओं की वास्तविक मांगों पर भी सक्रियता व सहानुभूतिपूर्वक विचार कर रही है।

पैगंबर के खिलाफ टिप्पणी के लिए रामगिरी महाराज पर ठाणे जिले में प्राथमिकी दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में पुलिस ने पैगंबर मोहम्मद और इस्लाम के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर हिंदू धर्म से जुड़े नेता रामगिरी महाराज के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पुलिस ने बताया था कि हाल में नासिक जिले में सिन्नर तालुका के शाह पंचाले गांव में एक धार्मिक आयोजन के दौरान रामगिरी महाराज ने कथित आपत्तिजनक टिप्पणी की, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

मुंब्रा पुलिस ने रामगिरी महाराज के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 302 (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से बात कहना) और कई अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है, जिनमें धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना, धर्म के आधार पर समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना, शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना और आपराधिक धमकी देने से संबंधित धाराएं शामिल हैं।

रामगिरी महाराज के खिलाफ राज्य के नासिक और छत्रपति संभाजीनगर जिलों में भी प्राथमिकियां दर्ज हैं।

रामगिरी महाराज ने कहा है कि उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के विरोध में यह बयान दिया था।

उन्होंने शुक्रवार को कहा था, ''मेरा एकमात्र मकसद हिंदुओं को एकजुट करना था। अब जो भी होगा, मैं उसका सामना करूंगा। अगर मामला दर्ज हुआ है तो मैं नोटिस आने पर इसे देखूंगा।''

राज्यों के आगामी चुनाव एक साथ क्यों नहीं कराए जा रहे : शरद पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने शनिवार को इस बात को लेकर हैरानी जताई कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 'एक देश एक चुनाव' पर जोर दिये जाने के बावजूद राज्यों के आगामी चुनाव एक साथ क्यों नहीं कराए जा रहे हैं।

पवार ने नागपुर में एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जो कहते हैं उसमें कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा कि मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण में 'एक देश एक चुनाव' की वकालत की थी।

निर्वाचन आयोग ने सितंबर-अक्टूबर में जम्मू-कश्मीर में तीन चरणों और हरियाणा में एक चरण में मतदान कराने की शुक्रवार को घोषणा की थी।

आयोग ने जम्मू-कश्मीर चुनाव के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बलों की आवश्यकता और महाराष्ट्र में त्योहारों के दौरान होने वाली भीड़ का हवाला देते हुए कहा था कि महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की घोषणा बाद में की जाएगी। पवार ने कहा, ''दो राज्यों (जम्मू-कश्मीर और हरियाणा) में चुनाव की तारीखों की घोषणा हो चुकी है, लेकिन झारखंड और महाराष्ट्र में चुनाव की तारीखों की घोषणा नहीं हुई है। इसलिए, उनकी (प्रधानमंत्री मोदी की) बातों में कोई सच्चाई नहीं है।'' विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) के सहयोगी दलों शिवसेना (यूबीटी) और राकांपा (एसपी) ने पहले चुनाव कार्यक्रम को लेकर निर्वाचन आयोग की आलोचना की थी और कहा था कि ऐसा लगता है कि भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति अपने झूठे वादों के साथ महाराष्ट्र के लोगों को ''मूर्ख'' बनाने के लिए और समय चाहती है।

महंत रामगिरि महाराज द्वारा पैगंबर मोहम्मद और इस्लाम के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर नासिक और छत्रपति संभाजीनगर में तनाव के बारे में पूछे जाने पर पवार ने कहा कि यह समाज के हित में नहीं है।

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बारे में पवार ने कहा कि भारत में कुछ जगहों पर इस पर कुछ प्रतिक्रियाएं हुई हैं। उन्होंने कहा, ''हालांकि, हमें कभी नहीं लगा कि बांग्लादेश में जो कुछ हुआ, उस पर महाराष्ट्र से प्रतिक्रिया आएगी।''

जीवन में कुछ लक्ष्य निर्धारित करें : राजेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शांतिनगर के लुणावत जैन स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित राजेशमुनि ने अपने दैनिक प्रवचन में 'मद' पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मद हमारे आध्यात्मिक विकास में बाधक है। हमें जीवन में कुछ लक्ष्य निश्चित कर उसे हासिल करने का पुरुषार्थ करना चाहिए। मद और अहंकार से दूर रहकर हम हर लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। फिर हम प्रमाद में नहीं रहेंगे और एक भी सांस व्यर्थ नहीं जाएगी। हर समय हमारा जीवन सिर्फ और सिर्फ कषायों में ही व्यर्थ हो रहा है। जीवन को बहुमूल्य समझने वाला अपना एक क्षण भी प्रमाद में नष्ट नहीं करता और लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रयत्नशील रहता है।

मुनिश्री ने कहा कि पुराने जमाने में खानदान देखकर संबंध किये जाते थे लेकिन अब व्यक्ति का खानदान पैसे से तोला जाता है। आत्म विकास हेतु हमें जिनशाषन के पाचों रंगों में रंग जाना है। यदि हम मद से भर गए तो हर रंग मैला हो जाएगा ।

हमारी आत्मा पर दाग लग जाएगा। आत्मबल सभी बलों का राजा होता है। हम अनंत विजय के स्वामी बनने का लक्ष्य से जिएं। आत्म बल के साथ शरीर का बल भी बढ़े ताकि उसके सहारे कर्मों का का क्षय कर सकेंगे। धर्म का व्यापार जितना बढेगा उसके सहारे धन भी बढ़ेगा। उस हेतु स्वाध्याय और ध्यान आवश्यक है। श्री रिषभ मुनि ने अप्रमत्त बनकर जीने का संदेश दिया। संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने संचालन किया।

सीबीडीटी ने आयकर विभाग से होटल, अस्पतालों में बड़े नकद लेनदेन की पहचान करने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश में प्रत्यक्ष कर प्रशासन के शीर्ष निकाय केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर विभाग से होटल, लक्जरी ब्रांड की बिक्री, अस्पताल और आईवीएफ क्लीनिक जैसे व्यावसायिक क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर नकद लेनदेन की जांच करने को कहा है।

बोर्ड ने कहा कि यह जांच गैर जरूरी हस्तक्षेप के बिना होनी चाहिए। सीबीडीटी ने कर विभाग से बकाया मांगों की वसूली के लिए ठोस प्रयास करने को भी कहा है, जिसमें पिछले वित्त वर्ष से तेज वृद्धि देखने को मिली है। इस संबंध में बोर्ड ने हाल में केंद्रीय कार्य योजना (सीएपी) 2024-25 जारी की है। वरिष्ठ अधिकारियों ने पीटीआई-भाषा को बताया कि वित्तीय संस्थानों के दो लाख रुपए से अधिक के नकद लेनदेन को वित्तीय लेनदेन के विवरण (एसएफटी) के जरिये बताना आवश्यक था, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा था।

बोर्ड ने आयकर विभाग से कहा है कि ऐसी रिपोर्टों की जांच करने पर पाया गया कि इन प्रावधानों का उल्लंघन व्यापक रूप से किया जा रहा है। इसमें आगे कहा गया कि उच्च मूल्य वाले उपभोग व्यय को करदाता के बारे में जानकारी के साथ सत्यापित करने की जरूरी है। विभाग ने इस संबंध में होटल, बैंक्वेट हॉल, लक्जरी ब्रांड के खुदरा विक्रेताओं, आईवीएफ क्लीनिक, अस्पताल, डिजाइनर कपड़ों की दुकानों और एनआरआई कोटा मेडिकल कॉलेज सीटें की पहचान की है, जहां इन नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है और बड़ा नकदी लेनदेन हो रहा है।

बम की धमकी के बाद नवी मुंबई में मॉल खाली कराया

ठाणे/भाषा। नवी मुंबई के वाशी इलाके में स्थित एक प्रमुख मॉल को शनिवार को ई-मेल से मिली बम की धमकी के बाद खाली कराया गया। हालांकि मॉल की तलाशी के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली और धमकी झूठी निकली। पुलिस ने यह जानकारी दी। वाशी पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि 'इनऑर्बिट मॉल' को सुबह करीब 11:59 बजे एक ई-मेल मिला जिसमें लिखा था, हैलो, मैंने इमारत में बम लगा दिए हैं, इमारत के अंदर मौजूद हर व्यक्ति मारा जाएगा।

अधिकारी ने बताया कि मॉल को तुरंत खाली करा लिया गया और बम निरोधक दस्ते, एटीएस अधिकारियों, अग्निशमन कर्मियों और पुलिस ने श्वान दस्ते के साथ तलाशी ली। कोई बम या संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। उन्होंने कहा, तलाशी दोपहर करीब 2:50 बजे खत्म हुई, जिसके बाद करीब तीन बजे मॉल को लोगों के लिए फिर से खोल दिया गया।

हिमाचल प्रदेश में बादल फटने से कई मार्ग अवरुद्ध, सेब के बगीचे भी क्षतिग्रस्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के सेब उत्पादक क्षेत्र में बादल फटने से देर रात अचानक आई बाढ़ के कारण रोहड़-रामपुर मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि शिमला जिले के रामपुर क्षेत्र में देर रात बादल फटने से राष्ट्रीय राजमार्ग पांच सहित 132 सड़कों पर आवाजाही ठप हो गई। उन्होंने बताया कि किन्नौर के नेगुलसारी 'स्लाइडिंग प्वाइंट' के समीप भूस्खलन के कारण क्षेत्र का शिमला जिले से संपर्क टूट गया। भूस्खलन के कारण बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हुई है।

अधिकारियों ने बताया कि सिरमौर व चंबा जिलों में भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ के कारण सड़कें अवरुद्ध होने की भी खबरें हैं।

शिमला के उपायुक्त अनुपम कश्यप ने बताया कि रामपुर की तकलोपच पंचायत में बादल फटने से कई बाग-बगीचे तबाह हो गए हालांकि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। उन्होंने बताया कि क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत और पानी व बिजली आपूर्ति बहाल करने के निर्देश दे दिए गए हैं।

अधिकारी ने बताया कि खोल्टी नाले के पास रामपुर-रोहड़ मार्ग कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गया और एक पुल बह गया।

गांव में रहने वाले संजय कुमार ने बताया कि किसान, खास तौर पर सेब उत्पादक इस बात को लेकर बेहद चिंतित हैं कि फसल का मौसम आ चुका है और सेब की फसल को बाजार तक पहुंचाना मुश्किल हो जाएगा।

पुलिस अधीक्षक (शिमला) संजीव कुमार गांधी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि क्षतिग्रस्त सड़कों को जल्द से जल्द खोलने के निर्देश दिए गए हैं ताकि सेब उत्पादकों को नुकसान न हो।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र ने बताया कि शिमला में 72 सड़कें, मंडी में 31, कांगड़ा में नौ, कुल्लू में आठ, किन्नौर में चार, सिरमौर में तीन, चंबा में दो और हमीरपुर, ऊना व लाहौल एवं स्पीति जिलों में एक-एक सड़क अवरुद्ध है। रामपुर क्षेत्र में 31 जुलाई के बाद से बादल फटने की यह दूसरी बड़ी घटना है।

विभिन्न जांच शिविरों का हुआ आयोजन

बेंगलूरु। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में तेरापंथ युवक परिषद द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डाइग्नोस्टिक सेंटर एवं डेंटल केयर श्रीनिवासनगर में लिपिड प्रोफाइल एवं थाइरोइड प्रोफाइल जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की शुरुआत नमस्कार महामन्त्र के सामूहिक मंगलाचरण से हुआ। लिपिड प्रोफाइल में टोटल कोलेस्ट्रॉल, एल डी एल कोलेस्ट्रॉल, वी एल डी एल कोलेस्ट्रॉल, एच डी एल कोलेस्ट्रॉल आदि की जांच की गई। शिविर के प्रायोजक प्रकाशचंद कमलेश कुमार झाबक परिवार (भीलवाड़ा) त्यागराजनगर रहे।

अधिकांश श्रमिक नौकरियों में मासिक वेतन 20,000 रुपए से कम : रिपोर्ट

मुंबई/भाषा। भारत में कारखानों में या अन्य श्रम प्रधान नौकरियों (ब्लू-कॉलर) में ज्यादातर का वेतन 20,000 रुपए प्रति माह या उससे कम है।

एक रिपोर्ट में कहा गया कि इससे पता चलता है कि कार्यबल का एक बड़ा हिस्सा वित्तीय तनाव से जूझ रहा है, तथा आवास, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा जैसी मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहा है। प्रौद्योगिकी से जुड़े श्रम प्रधान भर्ती मंच वर्कइंडिया ने रिपोर्ट में कहा कि 57.63 प्रतिशत से अधिक श्रम प्रधान नौकरियां 20,000 रुपए प्रति माह या उससे कम वेतन सीमा में आती हैं। यह दर्शाता है कि कई श्रमिक न्यूनतम मजदूरी के करीब कमाते हैं।

रिपोर्ट से पता चला है कि लगभग 29.34 प्रतिशत श्रम प्रधान नौकरियां मध्यम आय वर्ग में हैं, जिनमें वेतन 20,000-40,000 रुपए प्रति माह है। इसमें कहा गया है कि इस श्रेणी में आने वाले श्रमिकों को वित्तीय सुरक्षा में मामूली सुधार का अनुभव होता है, लेकिन वे आरामदायक जीवन स्तर प्राप्त करने से बहुत दूर हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इस सीमा में आय से आवश्यकताएं तो पूरी हो जाती हैं, लेकिन बचत या निवेश के लिए बहुत कम गुंजाइश बचती है, जो इस श्रेणी के कार्यबल के एक बड़े हिस्से की आर्थिक कमजोरी को उजागर करता है। वर्कइंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और सह-संस्थापक नीलेश डूंगरवाल ने पीटीआई-भाषा से कहा, आंकड़ों से पता चलता है कि श्रम क्षेत्र में कम वेतन वाली नौकरियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और उच्च आय के लिए सीमित अवसर हैं।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने 60 साल पुरानी अथिकादावु-अविनाशी परियोजना का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के तीन जिलों के लोगों की पेयजल जरूरतों को पूरा करने के अलावा कृषि क्षेत्र की सिंचाई सुनिश्चित करने वाली छह दशक पुरानी अथिकादावु अविनाशी परियोजना शनिवार को शुरू हो गयी। कोयंबटूर, तिरुप्पुर और इरोड जिलों में भूजल के स्तर को बढ़ाने और जलाशयों को भरने के उद्देश्य से 1,916.41 करोड़ रुपये की परियोजना का मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने यहां सचिवालय से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए उद्घाटन किया।

इस परियोजना की परिकल्पना मूल रूप से छह दशक पहले की गई थी। पूर्व मुख्यमंत्री और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता एम करुणानिधि ने 1972 में इस परियोजना की दिशा में पहल की थी। इसके बाद अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) की नेता और तत्कालीन मुख्यमंत्री ई के पलानीस्वामी ने इस परियोजना को अपने हाथ में लिया और 2019 में इसका शिलान्यास किया।

वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में एम के स्टालिन के मुख्यमंत्री बनने के बाद इस परियोजना को और गति मिली। तमिलनाडु सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, मौजूदा मुख्यमंत्री द्वारा इस परियोजना का त्वरित गति से कार्य शुरू कराया गया था और हाल ही में इसे पूरा किया गया। इरोड में कलिंगारायणपलायम में भवानी नदी के कलिंगारायण बांध के निचले हिस्से से लगभग 150 करोड़ घन फुट (टीएमसी) अधिशेष जल को 1,045 जलाशयों को भरने तथा इरोड, तिरुप्पुर और कोयंबटूर जिलों में 24,468 एकड़ कृषि भूमि की सिंचाई के लिए उपयोग में लाया जाएगा।

चेन्नई में शनिवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने जल संसाधन विभाग की ओर से मुख्य सचिवालय में एक वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से अथिकादावु-अविनसी परियोजना का उद्घाटन किया।

पश्चिमी घाट में नीलगिरि से निकलने वाली 217 किलोमीटर लंबी बारहमासी भवानी नदी दक्षिण-पश्चिम और उत्तर-पूर्वी मानसून दोनों से पोषित होती है। फरवरी 2019 में 1,652 करोड़ रुपये की लागत से इस परियोजना की आधारशिला रखी गई थी और घोषणा की गई थी कि इसे 34 महीनों में पूरा किया जाएगा। बाद में, तीन जिलों में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के नियंत्रण में 32 टैंक, 42 यूनियन टैंक और 971 तालाबों को भरने के लिए परियोजना लागत को संशोधित कर 1,758.88 करोड़ रुपये कर दिया गया। अंततः यह परियोजना 1,916.41 करोड़ रुपये की लागत से पूरी हुई, हालांकि जब इसकी परिकल्पना की गई थी तब इसकी लागत 134 करोड़ रुपये प्रस्तावित थी।

राजनाथ कल चेन्नई में समुद्री बचाव समन्वय केंद्र भवन का उद्घाटन करेंगे

चेन्नई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रविवार को चेन्नई में एक नवनिर्मित अत्याधुनिक भारतीय तटरक्षक (आईसीजी) बल के समुद्री बचाव समन्वयन केंद्र (एमआरसीसी) भवन का उद्घाटन करेंगे। मंत्रालय की तरफ से यह जानकारी दी गयी। रक्षामंत्री रविवार को ही दो अतिरिक्त प्रमुख सुविधा केंद्रों: चेन्नई में क्षेत्रीय सामुद्रिक प्रदूषण प्रतिक्रिया केंद्र (आरएमपीआरसी) और पुडुचेरी में तटरक्षक वायु एन्क्लेव (सीजीएई) का भी उद्घाटन करेंगे। मंत्रालय की तरफ से एक बयान में कहा गया, यह ऐतिहासिक अवसर सामुद्रिक सुरक्षा और क्षेत्रीय समन्वय में एक बड़ी उन्नति को दर्शाता है, जो भारतीय तटरेखा के साथ सामुद्रिक सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अधिकारियों ने कहा कि नया एमआरसीसी एक प्रतिष्ठित संरचना बनने जा रहा है जो समुद्र में संकट में फंसे नाविकों और मछुआरों के लिए सामुद्रिक बचाव कार्यों के समन्वयन और प्रभावशीलता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगा।

रक्षा बंधन मुहूर्त

रक्षाबंधन का त्योहार श्रावण सुदी पूर्णिमा 19 अगस्त सोमवार को मनाया जाएगा। पूर्णिमा तिथि प्रारंभ होते ही भद्रा भी लग जाएगी, शास्त्रों में भद्रा काल में रक्षासूत्र बांधना व श्रावणी पर्व मनाने का निषेध कहा गया है और इस दिन भद्रा दिन में 1:34 बजे तक रहेगी। भद्रा उपरांत ही अपने भाई के रक्षासूत्र बांधना ज्यादा उपयुक्त रहेगा।

रक्षा बंधन के लिए शुभ मुहूर्त :

दिन में 1.56 बजे से 3.30 बजे तक चल का चौघड़िया, 3.30 बजे से 6.38 बजे तक लाभ-अमृत का चौघड़िया व रात्रि 6.38 बजे से 8.04 बजे तक चल का चौघड़िया रहेगा। इस शुभ समय में रक्षाबंधन का पर्व मनाना शुभ रहेगा।

पंडित जगदीश आचार्य
मोबाइल : 9448417398

मलयालम फिल्म निर्देशक मेजर रवि के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज

त्रिशूर । मलयालम फिल्म निर्माता मेजर रवि के खिलाफ एक वित्तीय कंपनी को सुरक्षा सेवाएं प्रदान करने का झूठा वादा करके 12 लाख रुपये से अधिक की ठगी करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। इरिंजालक्कुडा पुलिस ने शुक्रवार को न्यायिक प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट के निर्देश पर 'कीर्तिचक्र'' फिल्म निर्माता के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता वित्तीय कंपनी ने हाल ही में आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए अदालत का रुख किया था जिसके बाद अदालत ने जांचकर्ताओं को आरोपों की जांच शुरू करने का निर्देश दिया।

पुष्पांजलि

चेन्नई में पूर्व केन्द्रीय मंत्री मुरासोली मारन की 91वीं जयंती के मौके पर उनकी प्रतिमा के नीचे तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन। इस मौके पर जल संसाधन मंत्री दुरईमुरुगन सहित अनेक संसद सदस्य, विधानमंडल सदस्य, स्थानीय निकायों के प्रतिनिधि, बोर्ड अध्यक्ष और क्लब प्रशासक उपस्थित रहे।

यौन उत्पीड़न मामले में मुकदमे का सामना करें फिल्म निर्माता मेजर रवि : केरल उच्च न्यायालय

कोच्चि। केरल उच्च न्यायालय ने एक अधीनस्थ अदालत के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया और फिल्म निर्माता मेजर रवि को राज्य में एक पत्रकार द्वारा दायर यौन उत्पीड़न मामले में मुकदमे का सामना करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति पी.वी. कुन्हिकृष्णन ने 12 अगस्त के आदेश में एर्नाकुलम की प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत के फैसले को चुनौती देने वाली रवि की याचिका खारिज कर दी। उच्च न्यायालय ने भारतीय दंड संहिता की धारा 354ए (यौन उत्पीड़न) और केरल पुलिस अधिनियम की धारा 120(ओ) के तहत संज्ञान लेने के मजिस्ट्रेट अदालत के आदेश को बरकरार रखा और फिल्म निर्माता को कानून के अनुसार मुकदमे का सामना करने के लिए संबंधित अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करने को कहा।

कर्नाटक में चिकित्सकों ने न्याय की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के सदस्य कोलकाता में एक महिला चिकित्सक के साथ बलात्कार और उसकी हत्या की घटना की निंदा करते हुए शनिवार को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। कोलकाता के एक अस्पताल में कथित रूप से बलात्कार और हत्या की शिकार हुई 31 वर्षीय प्रशिक्षु चिकित्सक के लिए न्याय की मांग करते हुए दक्षिणी राज्य के कई हिस्सों में चिकित्सक विरोध जुलूस निकाल रहे हैं। बेंगलूरु के चामराजपेट में आईएमए कार्यालय में आंदोलन हो रहा है जिसमें 1,000 से अधिक चिकित्सक भाग ले रहे हैं।

आईएमए की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष श्रीनिवास एस ने पीटीआई-भाषा को बताया कि पूरे कर्नाटक में इसकी शाखाएं बंद रहेंगी और कहीं भी ओपीडी सेवाएं नहीं होंगी। उन्होंने कहा, हम बस इस युवा महिला चिकित्सक के लिए न्याय चाहते हैं, जिसके साथ बेरहमी से बलात्कार किया गया और फिर उसकी हत्या कर दी गई। उसके साथ जो हुआ वह पूरी तरह से अस्वीकार्य है। हम इसमें कोई राजनीतिक भागीदारी नहीं चाहते। अन्य पेशेवरों की तरह चिकित्सक भी संवेदनशील क्षेत्रों में काम कर रहे हैं और इसलिए हम चिकित्सकों की सुरक्षा के लिए एक केंद्रीय कानून चाहते हैं। आईएमए की अन्य मांगों में अस्पतालों में चौबीसों घंटे काम करने वाले चिकित्सकों के लिए सुरक्षित क्षेत्र और विश्राम कक्षों की स्थापना, प्रत्येक अस्पताल में पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरे लगाना शामिल हैं। चिकित्सकों पर हमले की घटनाओं की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अस्पतालों में पुलिसकर्मियों को भी तैनात किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, हड़ताल के कारण कर्नाटक के किसी भी अस्पताल में आपातकालीन सेवाएं प्रभावित नहीं होंगी।

आईएमडी ने केरल में भारी बारिश होने का अनुमान लगाया, 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शनिवार को केरल में अगले पांच दिनों के दौरान भारी बारिश होने और तेज हवाएं चलने का पूर्वानुमान व्यक्त किया एवं चार जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया ।

राज्य के कई हिस्सों में आज अलग-अलग स्थानों पर रूक-रूक कर वर्षा होती रही तथा मनीमाला एवं पंबा समेत कई नदियों में जलस्तर बढ़ गया। आईएमडी के मुताबिक पत्तनमथिट्टा, कोट्टायम, इडुक्की और एर्नाकुलम जिलों में आज ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया जहां भारी वर्षा होने का अनुमान है।

उसने कहा कि कोट्टायम, इडुक्की, कोझिकोड, पत्तनमथिट्टा एवं एर्नाकुलम जिलों को क्रमशः रविवार एवं सोमवार के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' की श्रेणी में रखा गया है। जब 11 सेंटीमीटर से 20 सेंटीमीटर तक वर्षा होने का अनुमान होता है तब 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया जाता है।

इस बीच, मौसम विभाग ने कहा कि आने वाले घंटों में तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, पत्तनमथिट्टा, अलपुझा, कोट्टायम, इडुक्की, एर्नाकुलम और त्रिशूर जिलों में एक या दो स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने और 40 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने की संभावना है।

विजयन ने प्राकृतिक आपदाओं में आजीविका गंवाने वाले किसानों का सहयोग करने का अनुरोध किया

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कृषि क्षेत्र की समृद्धि के लिए व्यापक कार्य योजनाएं बनाने की आवश्यकता पर शनिवार को जोर दिया और लोगों से प्राकृतिक आपदाओं में अपना आश्रय और कृषि भूमि गंवाने वाले किसानों का सहयोग करने का आग्रह किया। शनिवार को मलयालम नव वर्ष चिंगम की शुरुआत पर राज्य के लोगों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कई किसानों ने वायनाड में हाल में हुए विनाशकारी भूस्खलन के दौरान अपनी जान, आजीविका और आश्रय स्थल गंवा दिए।

राज्य के लोगों द्वारा शुभ दिन माने जाने वाले चिंगम को दक्षिणी राज्य में किसानों द्वारा समाज को दी जाने वाली सेवाओं को मान्यता देने के लिए किसान दिवस' के रूप में भी मनाया जाता है। उन्होंने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, हम अब भी वायनाड में प्राकृतिक आपदा से लगे सदमे से बाहर नहीं आ पाए हैं। पीड़ितों में कई किसान भी हैं जिन्होंने भूस्खलन त्रासदी में अपनी आजीविका और परिजनों को खो दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि क्षेत्र की समृद्धि के लिए व्यापक कार्य योजना बनायी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, आइए चिंगम को उसके लिए एक अवसर बनाएं।

उन्होंने कहा, चिंगम हमें कृषि क्षेत्र के औद्योगिकीकरण को रोकने और समय के अनुरूप लोकप्रिय कृषि पद्धतियों को विकसित करने के लिए एक साथ खड़े होने की आवश्यकता की भी याद दिलाता है। विजयन ने कहा कि राज्य में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिए विविध हस्तक्षेप कर रही है।

वायनाड भूस्खलन :
प्रभावित लोगों को जल्द से जल्द वित्तीय सहायता उपलब्ध करा रही केरल सरकार

वायनाड/भाषा। केरल सरकार वायनाड जिले के मुंडक्कई और चूरलमाला क्षेत्रों में भूस्खलन से प्रभावित लोगों को तेज गति से वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है और प्रदेश सरकार ने राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) तथा मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष (सीएमडीआरएफ) से 12 व्यक्तियों को लगभग 72 लाख रुपये प्रदान किए हैं। स्थानीय प्रशासन ने शनिवार को यह जानकारी दी। प्रशासन के मुताबिक, 30 जुलाई की आपदा में अपनी आजीविका गंवा चुके 617 लोगों को 10-10 हजार रुपये की तत्काल वित्तीय सहायता दी गई है। आपदा में 200 से अधिक लोगों की मौत हुई है। प्रशासन के मुताबित, इसके अलावा सरकार ने 124 लोगों को शवों के अंतिम संस्कार और दफनाने के लिए 10-10 हजार रुपये की राशि प्रदान करने को भी मंजूरी दी है। जिला प्रशासन ने बताया कि आपदा में घायल हुए 34 लोगों में से जिन लोगों ने अपने दस्तावेज जमा किए हैं, उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए भी कदम उठाए जा रहे हैं।

मुकदमा चलाने की राज्यपाल की मंजूरी के बाद, सिद्दरामय्या बोले- नहीं दूंगा इस्तीफा

राज्यपाल के निर्णय का कांग्रेस ने किया विरोध

कर्नाटक उच्च न्यायालय में 'एक कैविएट' दायर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूमि आवंटन 'घोटाले' के संबंध में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है तथा कहा कि मामले की एक तटस्थ, वस्तुनिष्ठ और गैर-पक्षपातपूर्ण जांच कराना बहुत आवश्यक है। दूसरी मुख्यमंत्री ने कहा कि वह इस्तीफा नहीं देंगे।

सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने राज्यपाल के इस कदम की निंदा की और इस कदम का राजनीतिक तथा कानूनी रूप से मुकाबला करने की बात कही। राज्यपाल ने कार्यकर्ता प्रदीप कुमार एस पी, टी जे अब्राहम और स्नेहमयी कृष्णा की याचिकाओं में उल्लिखित कथित अपराधों को अंजाम देने के लिए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17 ए और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218 के तहत सिद्दरामय्या के खिलाफ मुकादमा चलाने की मंजूरी प्रदान की।

'मुडा घोटाले' में आरोप है कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की पत्नी पार्वती को मैसूरु के एक पॉश इलाके में प्रतिपूरक भूखंड आवंटित किया गया था जिसका संपत्ति मूल्य उनकी उस भूमि की तुलना में अधिक था जिसे एमयूडीए ने 'अधिग्रहीत' किया था। मुडा ने पार्वती को उनकी 3.16 एकड़ भूमि के बदले 50:50 अनुपात योजना के तहत भूखंड आवंटित किए थे। विपक्ष और कुछ कार्यकर्ताओं ने यह दावा किया है कि पार्वती के पास 3.16 एकड़ भूमि पर कोई कानूनी अधिकार नहीं है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने दावा किया है कि एमयूडीए घोटाला 4,000 से 5,000 करोड़ रुपये तक का है। शिवकुमार ने राज्यपाल के कदम को 'असंवैधानिक' और 'अलोकतांत्रिक' करार दिया और कहा कि पूरी पार्टी तथा सरकार सिद्दरामय्या के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने मुख्यमंत्री के इस्तीफे की भाजपा की मांग को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया।

उन्होंने कहा, विपक्षी गठबंधन 'इंडि' ने मुख्यमंत्री के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त की है। ये झूठे आरोप हैं और हम कानूनी और राजनीतिक रूप से इसका मुकाबला करेंगे।

सिद्दरामय्या ने भी इस्तीफा देने से इनकार किया और कहा कि उन्होंने कोई गलत काम नहीं किया, जिसके कारण उन्हें इस्तीफा देना पड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यपाल, जो केन्द्र सरकार के हाथों की कठपुतली की तरह काम कर रहे हैं उनके द्वारा ऐसा निर्णय लिए जाने की उम्मीद थी। उन्होंने कहा कि इस निर्णय पर अदालत में सवाल उठाया जाएगा और वह कानूनी रूप से इसका मुकाबला करेंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि भाजपा द्वारा नियुक्त राज्यपाल गैर-भाजपा शासित राज्यों के लिए परेशानी खड़ी कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें यह देखना होगा कि गहलोत ने सिद्दरामय्या पर मुकदमा चलाने की अनुमति क्यों दी।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं और सिद्दरामय्या के समर्थकों ने राज्यपाल के कदम के खिलाफ बेंगलूरु, मैसूरु, मंड्या और राज्य के कई अन्य हिस्सों में प्रदर्शन किया। बेंगलूरु में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और कर्नाटक प्रदेश कुरुबारा संघ के सदस्यों ने राज्यपाल को हटाने की मांग को लेकर गांधी नगर में विरोध-प्रदर्शन किया। गहलोत विरोधी नारे लगाते हुए उन्होंने राज्यपाल का पुतला भी जलाया। प्रदर्शनकारियों के हाथों में तख्तियां थीं, जिन पर लिखा था, ''राज्यपाल हटाओ, राज्य बचाओ'' ।

इस मुद्दे पर सिद्दरामय्या को निशाना बनाते हुए राज्य में कई सप्ताह से आंदोलन कर रही विपक्षी भाजपा ने शनिवार को सिद्दरामय्या के इस्तीफे की मांग दोहराई। भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने कहा कि इससे पारदर्शी और निष्पक्ष जांच हो सकेगी।

राज्यपाल ने मुकदमा चलाने की मंजूरी देते हुए कहा कि एक तटस्थ, वस्तुनिष्ठ और गैर-पक्षपातपूर्ण जांच करना बहुत आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि वे प्रथम दृष्टया इस बात से संतुष्ट हैं कि आरोप और सहायक सामग्री अपराध के होने का खुलासा करती है। राज्यपाल ने मंत्रिपरिषद द्वारा लिए गए उस निर्णय को ''अतार्किक'' करार दिया जिसमें मुख्यमंत्री को जारी कारण बताओ नोटिस वापस लेने तथा मुकदमा चलाने की मंजूरी की मांग करने वाली याचिका को खारिज करने की सलाह दी गई थी। अधिवक्ता-सामाजिक कार्यकर्ता टी जे अब्राहम द्वारा दायर याचिका के आधार पर राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 26 जुलाई को एक 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया था, जिसमें मुख्यमंत्री को निर्देश दिया गया था कि वह सात दिनों के भीतर उनके खिलाफ आरोपों पर जवाब प्रस्तुत करें कि उनके खिलाफ अभियोजन की अनुमति क्यों न दी जाए

कर्नाटक सरकार ने एक अगस्त को राज्यपाल को मुख्यमंत्री को जारी किए गए 'कारण बताओ नोटिस' को वापस लेने की सलाह दी थी और राज्यपाल पर संवैधानिक कार्यालय के घोर दुरुपयोग का आरोप लगाया था। साथ ही याचिकाकर्ता अब्राहम के अनुरोध के अनुसार पूर्व अनुमोदन और मंजूरी से इनकार करते हुए उक्त आवेदन को खारिज करने की भी सलाह दी थी। कांग्रेस सरकार ने 14 जुलाई को एमयूडीए घोटाले की जांच के लिए उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति पी एन देसाई की अध्यक्षता में एकल सदस्यीय जांच आयोग का गठन किया था।

विपक्षी भाजपा और जनता दल (एस) ने घोटाले के सिलसिले में सिद्दरामय्या के इस्तीफे की मांग करते हुए इस महीने की शुरुआत में बेंगलूरु से मैसूरु तक एक सप्ताह की पदयात्रा निकाली थी।

इस बीच 'मुडा घोटाला' मामले में शिकायतकर्ताओं में से एक प्रदीप कुमार ने मुकदमा चलाने की मंजूरी के बाद शनिवार को कर्नाटक उच्च न्यायालय में 'एक कैविएट' दायर की। एक कानूनी विशेषज्ञ ने कहा, उम्मीद है कि सिद्दरामय्या राज्यपाल की मंजूरी को चुनौती देने के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे। अब जब 'कैविएट' दाखिल हो गई है, तो अदालत को किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले मूल शिकायतकर्ता की दलीलें सुननी होंगी।

चिकित्सकों की हड़ताल के कारण चिकित्सा सेवाएं प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पश्चिम बंगाल में रेजिडेंट महिला चिकित्सक से बलात्कार और हत्या के विरोध में इंडियन मेडिकल एसोशिएशन (आईएमए) के एक दिन की हड़ताल के आह्वान के बाद शनिवार को राजस्थान में चिकित्सक सेवाएं प्रभावित हुई। राजस्थान के लगभग सभी सरकारी अस्पतालों में ओपीडी सेवाओं का बहिष्कार किया गया तथा वार्ड में भी व्यवस्थाएं प्रभावित हुईं हालांकि आपातकालीन सेवाएं चालू रहीं। आईएमए जयपुर के एक प्रतिनिधि ने बताया कि आईएमए के राष्ट्रीय स्तर पर हड़ताल के आह्वान के बाद जयपुर समेत राजस्थान के सभी जिलों में चिकित्सकों ने आज कार्य का बहिष्कार किया है। यह बहिष्कार कोलकाता में एक कनिष्ठ चिकित्सक के बलात्कार और हत्या के बाद चल रहे आंदोलन के समर्थन में किया गया है।

राजधानी जयपुर के सवाई मानसिंह चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी ने बताया कि रेजिडेंट चिकित्सकों की हड़ताल के समर्थन में शनिवार को सभी सरकारी चिकित्सकों ने दो घंटे का कार्य का बहिष्कार किया। उन्होंने बताया कि शनिवार को सुबह आठ बजे से दस बजे तक अस्पताल के सभी विभागों के चिकित्सकों ने कार्य का बहिष्कार किया, हालांकि आपातकालीन सेवाएं चालू हैं।

डॉ. भाटी ने बताया कि चिकित्सकों के कार्य के बहिष्कार के दौरान ओपीडी मरीजों को दिक्कतों का सामना पड़ा लेकिन बाद में अस्पताल में सभी सरकारी चिकित्सक काम पर लौट आये। चित्तौड़गढ़ जिले में भी आईएमए के आह्वान पर चिकित्सा सेवाएं पूरी तरह से बंद रहीं।

चित्तौड़गढ़ जिले के सबसे बड़े सांवलिया जी राजकीय चिकित्सालय में कार्यरत चिकित्सकों ने बंगाल सरकार को बर्खास्त करने की मांग की। वही चित्तौड़गढ़ जिला मुख्यालय और आसपास के क्षेत्र में कार्यरत नर्सिंग कर्मचारियों ने भी इस मांग का समर्थन करते हुए काली पट्टी बांधकर काम किया। प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिनेश वैष्णव ने कहा कि बंगाल में हुई घटना निंदनीय है। उन्होंने आरोप लगाया कि बंगाल सरकार मामले को दबाने का प्रयास कर रही है।

उन्होंने मांग की कि सरकार को तत्काल बर्खास्त किया जाना चाहिए और जो भी दोषी है उनके विरुद्ध कार्रवाई की जानी चाहिए। बाड़मेर में रेजिडेंट चिकित्सकों को सुरक्षा मुहैया करवाने की मांग को लेकर राजकीय मेडिकल कॉलेज अस्पताल बाड़मेर के रेजिडेंट स्पेशलिस्ट एवं सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों ने कार्य बहिष्कार कर विरोध प्रदर्शन किया।

जालौर में आज सुबह छह बजे से लेकर कल सुबह छह बजे तक 24 घण्टे तक आईएमए के आह्वान पर सभी चिकित्सक हड़ताल पर हैं। आज जिला अस्पताल में संचालित होने वाली ओपीडी में ताले लटके हुए नजर आए लेकिन अस्पताल में आपातकालीन सेवाएं सुचारू रूप से चल रही हैं।

भारत-पाक सीमा से सटे सरहदी जिले जैसलमेर के जवाहर चिकित्सालय के डॉक्टर भी विरोध जता रहे है। वरिष्ठ डॉक्टर जहां सामूहिक अवकाश पर है वहीं जूनियर डॉक्टर सेवाएं दे रहे है। ऐसे में जिले के सबसे बड़े चिकित्सालय में हालात न बिगड़े इससे पहले ही सरहद की रखवाली करने वाले बीएसएफ के चिकित्सक ने मोर्चा संभाला है। बीएसएफ में तैनात डॉक्टर हेमन्त जीनगर इमरजेंसी सेवा दे रहे हैं। डॉ. जीनगर ने बताया कि बीएसएफ की सेवा के साथ ही आमजन की सेवा करना हमारा कर्तव्य है और उसके लिए बीएसएफ सदैव तैयार है।

कोलकाता रेजीडेंट प्रकरण

प्रदेश में सुचारू रहीं स्वास्थ्य सेवाएं -हर स्थिति की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही : गजेन्द्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

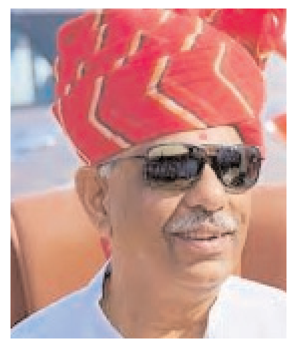

जयपुर। कोलकाता रेजीडेंट प्रकरण के कारण चिकित्सकों के राष्ट्रव्यापी कार्य बहिष्कार को लेकर राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारू रखने के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। प्रदेश के समस्त जिलों में शनिवार को राजकीय जिला अस्पतालों, मेडिकल कॉलेज से संबद्ध अस्पतालों सहित अन्य चिकित्सा संस्थानों में आईपीडी एवं आपातकालीन सेवाएं सुचारू रहीं। निजी अस्पतालों में भी आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध करवाई गईं।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि प्रदेशभर में चिकित्सा व्यवस्थाओं को सुचारू रखने के लिए आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित किए गए हैं। हर स्थिति की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। स्वास्थ्य सेवाओं को सामान्य बनाए रखने के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं की गई हैं। साथ ही, अधिकारियों को हर स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक दिशानिर्देश दिए गए हैं।

चिकित्सा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती शुभ्रा सिंह ने बताया कि बहिष्कार को ध्यान में रखते हुए शुक्रवार को ही चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से जिला प्रशासन, पुलिस एवं अन्य संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए गए।

शनिवार को प्रदेशभर में स्वास्थ्य सेवाएं सुचारू रहीं। उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेज से संबद्ध चिकित्सालयों में करीब 2600 चिकित्सक शिक्षकों, 500 चिकित्सा अधिकारियों, 9500 नर्सिंग कर्मियों एवं 650 जूनियर रेजिडेंट द्वारा सेवाएं दी गईं। इसी प्रकार सभी जिला अस्पतालों एवं अन्य चिकित्सा संस्थानों में आईपीडी एवं आपातकालीन सेवाएं संचालित की गईं। कुछ जिलों में ओपीडी सेवाएं भी संचालित हुईं। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षकों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए गए हैं।

चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा सम्पूर्ण प्रकरण की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। मेडिकल कॉलेजों से संबद्ध अस्पतालों में आईपीडी, आईसीयू, एनआईसीयू, पीआईसीयू व इमरजेंसी में स्टाफ को नियुक्त कर सभी सेवायें निर्बाध रूप से संचालित हैं। चिकित्सकों की रोटेशन से 24 घण्टे उपस्थिति सुनिश्चित की जा रही है। सभी चिकित्सक शिक्षकों एवं कार्मिकों के अवकाश तुरन्त प्रभाव से निरस्त कर दिये गये हैं, साथ ही सभी प्रधानाचार्यों एवं चिकित्सा अधीक्षकों को उनके अधीन चिकित्सक शिक्षकों एवं कार्मिकों को तुरन्त प्रभाव से कार्य पर उपस्थित होने हेतु निर्देशित किया गया है। रोगियों की सहायता एवं अन्य सेवाओं हेतु नियंत्रण कक्ष 24 घंटे संचालित हैं।

शिक्षा विभाग ने स्कूलों में धारदार नुकीली चीजें लाने पर लगाई पाबंदी

जयपुर। उदयपुर के स्कूल में हुई चाकूबाजी की घटना के बाद शिक्षा विभाग ने आदेश जारी कर विद्यालयों में किसी भी प्रकार की धारदार या नुकीली वस्तु लाने पर पूरी तरह रोक लगाई है। आदेश में कहा गया है कि भारत की संस्कृति अहिंसा परमो धर्म के मूल्य का महत्व समझाकर अहिंसा को व्यक्तित्व का अभिन्न अंग बनाने पर बल देती है। राज्य सरकार इन्हीं मूल्यों के अनुरूप, विद्यालय को सुरक्षित एवं स्वस्थ वातावरण के साथ-साथ विद्यार्थियों को संस्कारवान बनाने के लिए भयमुक्त परिवेश प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

आदेश में यह भी कहा या है कि विद्यालय में विद्यालय प्रशासन एवं शिक्षकों को विद्यार्थियों को निरंतर प्रेरित करने के साथ, उनके आचरण पर सूक्ष्म ध्यान भी रखना चाहिए, जिससे विद्यार्थी अपने लक्ष्य के अनुरूप प्रगति पथ पर अग्रसर हो सकें। इसमें बरती गई शिथिलता विद्यार्थी को अनुचित दिशा तो देती ही है, साथ ही विद्यार्थी या उसके सहपाठी आदि को हानि पहुंचा सकती है।

उदयपुर में छात्र पर हमले की घटना से सांप्रदायिक हिंसा के बाद मोबाइल इंटरनेट सेवा बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के उदयपुर में एक सरकारी स्कूल के 10वीं कक्षा के छात्र द्वारा अपने सहपाठी को चाकू घोंपने के बाद पैदा हुए सांप्रदायिक तनाव के बीच जिले के कई इलाकों में शुक्रवार रात से 24 घंटे के लिए मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गईं। उदयपुर के सभी सरकारी और निजी स्कूल में आगामी आदेश तक अवकाश घोषित कर दिया गया है।

पुलिस ने बताया कि हमले में घायल छात्र का जिला अस्पताल में इलाज किया जा रहा है और आरोपी छात्र को हिरासत में ले लिया गया है। दोनों छात्र नाबालिग हैं। उदयपुर के जिलाधिकारी अरविंद पोसवाल ने बताया कि कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए उदयपुर शहर और उदयपुर विकास प्राधिकरण क्षेत्र के सभी सरकारी और निजी स्कूल शनिवार से अगले आदेश तक बंद रहेंगे।

उन्होंने बताया कि घायल छात्र के इलाज के लिए जयपुर से विशेष विमान से तीन चिकित्सकों की टीम उदयपुर भेजी गई है। उदयपुर शहर, बेदला, बड़गांव, ब्लीचा, देबारी, एकलिंगपुरा, कानपुर, ढीकली और भुवाना क्षेत्र में शुक्रवार रात 10 बजे से 24 घंटे के लिए मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गईं। इंटरनेट बंद करने का आदेश संभागीय आयुक्त राजेंद्र भट्ट ने जारी किया।

जिलाधिकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री के निर्देश पर तीन चिकित्सकों की टीम विशेष विमान से जयपुर से उदयपुर आ रही है। उन्होंने बताया कि घायल छात्र की हालत स्थिर है। पोसवाल ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की। उदयपुर में शुक्रवार को 10वीं कक्षा के छात्र द्वारा सहपाठी को चाकू घोंपने के बाद सांप्रदायिक तनाव के बीच भीड़ ने कई वाहनों में आग लगा दी और पथराव किया। हालात को देखते हुए शहर में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। यह वारदात भट्टियानी चोहट्टा स्थित सरकारी स्कूल के बाहर हुई।

पुलिस के मुताबिक, वारदात के विरोध में कुछ हिंदू संगठनों के सदस्य शहर के मधुबन इलाके में एकत्र हुए। उसने बताया कि भीड़ ने पथराव किया और तीन-चार कार को आग के हवाले कर दिया। शुक्रवार शाम को तनाव बढ़ने पर बापू बाजार, हाथीपोल, घंटाघर, चेतक सर्किल और आसपास के इलाकों में बाजार बंद कर दिए गए। पुलिस के अनुसार, हिंदू संगठनों के लोगों ने बाजारों में दुकानें बंद करवा दीं।

ई-रिक्शा चालक और उसके साथियों ने युवक को पीटा, मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर के शास्त्री नगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात एक ई-रिक्शा चालक और उसके दो साथियों ने एक युवक के साथ कथित तौर पर मारपीट की, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि युवक की मौत के बाद स्थानीय लोगों ने शास्त्री नगर थाने के बाहर प्रदर्शन किया और मामले में शामिल आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (उत्तर) बजरंग सिंह के अनुसार, शुक्रवार रात एक स्कूटी और ई-रिक्शा में टक्कर हो गई, जिसके बाद स्कूटी चालक और ई-रिक्शा चालक व उसके दो साथियों के बीच हाथापाई हो गई। सिंह ने बताया, घटना के बाद स्कूटी चालक और ई-रिक्शा चालक अपने-अपने घर चले गए। घर पहुंचने के बाद स्कूटी चालक दिनेश स्वामी (36) की हालत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई।

दिनेश के साथ उसका दोस्त जितेंद्र स्वामी भी था, जो शास्त्री नगर थाने के स्वामी बस्ती का रहने वाला है। सिंह के मुताबिक, ई-रिक्शा में तीन लोग सवार थे, जिनमें से एक शाहरुख को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि बाकी दो की तलाश की जा रही है। उन्होंने कहा, यह रोड रेज का मामला है, जिसमें एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और दो अन्य की तलाश की जा रही है।

सरकार को 5.21 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार को 'राइजिंग राजस्थान' निवेश सम्मेलन-2024 (इनवेस्टमेंट समिट) की तारीखों की घोषणा के दो सप्ताह के भीतर ही 5.21 लाख करोड़ रुपये (तकरीबन 62 अरब डॉलर) से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

अधिकारिक बयान के अनुसार, निवेश संवर्द्धन ब्यूरो (बीआईपी) को ये प्रस्ताव देश और विदेश के कॉरपोरेट जगत की प्रमुख बड़ी कंपनियों से प्राप्त हुए हैं। बीआईपी इस निवेश सम्मेलन का नोडल विभाग है। इन औद्योगिक परियोजनाओं से तकरीबन 1.55 लाख लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलने का अनुमान है।

बयान के अनुसार, राज्य सरकार को मिले 5.21 लाख करोड़ रुपये के यह निवेश प्रस्ताव राजस्थान की वर्तमान अर्थव्यवस्था के 33 प्रतिशत से भी अधिक है। राजस्थान की अर्थव्यवस्था 2023-24 में 15.28 लाख करोड़ रुपये (प्रचलित मूल्यों पर) अनुमानित है। 'राइजिंग राजस्थान' निवेश सम्मेलन 2024 का आयोजन राजस्थान सरकार इस साल 9, 10 और 11 दिसंबर को राजधानी जयपुर में करेगी। इस तीन दिवसीय सम्मेलन का उद्देश्य देश-विदेश की बड़ी-छोटी कंपनियों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और निवेशकों को राज्य में आ कर काम करने के लिए आकर्षित करना, प्रदेश में विभिन्न तरह के उद्योग-धंधे लगाने में मदद करना है।

राजस्थान के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौर ने कहा, निवेशकों से अब तक मिली शानदार प्रतिक्रिया और समर्थन से हम बहुत उत्साहित हैं। राजस्थान को निवेश के लिए आकर्षक गंतव्य बनाने के लिए पिछले छह-सात महीनों से उद्योग विभाग अथक प्रयास कर रहा है और यह उसी का परिणाम है। राज्य सरकार जल्द ही राष्ट्रीय और वैश्विक उद्योगपतियों, कॉरपोरेट्स, अंतरराष्ट्रीय संस्थानों आदि से मिलने और उन्हें राज्य में निवेश के लिए आमंत्रित करने के लिए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय रोड शो आयोजित करेगी।

राजस्थान सरकार के प्रमुख सचिव (उद्योग) अजिताभ शर्मा ने कहा, निवेशकों के जबरदस्त उत्साह से दिखता है कि राजस्थान और इसकी क्षमता पर निवेशकों के विश्वास में पिछले कुछ महीनों के दौरान उल्लेखनीय बदलाव आया है।

आरोपी के मकान को बुलडोजर से किया ध्वस्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर में सरकारी स्कूल में शुक्रवार को चाकू से हमला कर एक छात्र को घायल कर देने की घटना के मामले में आरोपी के मकान को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया है। प्रशासन की ओर से शुक्रवार देर रात को आरोपी को मकान खाली करने का नोटिस चस्पा किया गया। इसके बाद शनिवार दोपहर नगर निगम और जिला प्रशासन के अधिकारियों ने बड़ी संख्या में पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच कर मकान खाली कराया गया।

इसके बाद पटवारी सुरपाल सिंह सोलंकी ने दो जेसीबी मशीनों को लगाकर आरोपी के पूरे मकान को ध्वस्त कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि आरोपी का मकान वन विभाग की जमीन पर बनाया गया है। वन विभाग की ओर से छह महीने पूर्व भी मकान हटाने का नोटिस दिया गया था।

संसदीय कार्य एवं न्याय मंत्री ने की जनसुनवाई, संबंधित अधिकारियों को दिए त्वरित समाधान के निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

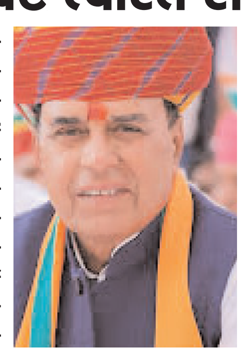

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने शनिवार को जोधपुर के सर्किट हाउस में जनसुनवाई की। इस दौरान जनसुनाई में बड़ी संख्या में फरियादी पहुंचे, उन्होंने अपनी-अपनी परिवेदनाएं मंत्री पटेल को सौंपी। साथ ही, अपनी समस्याओं से उन्हे अवगत करवाया। संसदीय कार्य मंत्री पटेल ने जनसुनवाई में आए फरियादियों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

संसदीय कार्य मंत्री पटेल ने जोधपुर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए सभी फरियादियों को विश्वास दिलाया की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का मुख्य ध्येय जनसुनवाई के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा लोगों को राहत पहुंचाना है। उन्होंने फोन पर संबंधित अधिकारियों से समस्याओं पर चर्चा करते हुए समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने कहा कि जोधपुर एवं ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जनसुनवाई में आए फरियादियों ने बारिश से फसलों को हुए नुकसान एवं मुआवजा, पट्टों से संबंधित विवाद, बंटवारा, भूमि विवाद, तारबंदी की समस्या, कृषि भूमि से मार्ग निकालने, मार्ग अवरूद्ध करने, अतिक्रमण हटाने, अवैध खनन, बारिश के दौरान जलभराव की समस्या, क्षतिग्रस्त सड़कों एवं मरम्मत की समस्या, विद्युत संबंधी शिकायत, सिवरेज समस्या, सहित अन्य आमजन से जुडी समस्याओं से संबंधित परिवेदनाओं से मंत्री पटेल को अवगत करवाया। साथ ही, उन्हे अपने परिवाद सौपे, जिस पर मंत्री पटेल ने परिवेदनाओं के त्वरित निराकरण के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये। साथ ही, पाल बालाजी क्षेत्र में जल भराव की समस्याओं से मंत्री पटेल को अवगत करवाने के लिए बड़ी संख्या में फरियादी पहुंचे, इस पर संसदीय कार्य मंत्री पटेल ने पाल बालाजी के क्षेत्रवासियों को विश्वास दिलाया की जल्द ही इस समस्या से आप लोगों को निजात मिलेगी। साथ ही, पटेल ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को इस समस्या के त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

सरिस्का से निकला बाघ हरियाणा पहुंचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान में अलवर जिले के बाघ संरक्षण क्षेत्र सरिस्का से निकला नर बाघ एसटी-2303 अब हरियाणा सीमा में घुस गया है। सरिस्का के रेंजर शंकर सिंह ने बताया कि शनिवार पूर्वाह्न 10.21 बजे इस बाघ के पदचिह्न हरियाणा सीमा के साबी नदी के निकट झाबुआ गांव के जंगल में मिले हैं, जिससे इसके हरियाणा सीमा में प्रवेश करने की पुष्टि हो गयी है। उन्होंने बताया कि इस नर बाघ को बचाने के लिये वन विभाग के दल तैनात हैं।

सिंह ने बताया कि 15 अगस्त को निकला यह बाघ पहले मुंडावर के दरबारपुर में गया। उसके बाद यह हरियाणा में पहुंच गया। हरियाणा के झाबुआ गांव के खेतों में इसकी तलाश की जा रही है। पिछली बार यह अलग रास्ते से गया, इस बार अन्य रास्ते से गया है। जहां इसको देखा गया है वह हरियाणा का संरक्षित वन क्षेत्र है। जयपुर से आये डॉक्टर अरविंद माथुर ने बताया कि बाघ पर निगाह रखी जा रही है। उसे बेहोश तभी किया जाएगा तब वह पूरी तरीह से स्वस्थ महसूस करे। यह बाघ रात्रि में चल रहा है और दिन में फसलों के बीच में छुप जाता है। इसकी रफ्तार भी काफी तेज है। अभी उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के निर्देश हैं कि पूर्ण स्वस्थ होने की स्थिति में आने के बाद ही इसको बेहोश किया जाये।

उधर उप वन संरक्षक बाघ परियोजना सरिस्का राजेन्द्र कुमार हुड्डा ने बताया कि बाघ परियोजना सरिस्का एवं उप वन संरक्षक अलवर के 10 दल क्षेत्रीय वन अधिकारियों के नेतृत्व में बाघ की तलाश करने का अथक प्रयास कर रहे हैं। इनमें अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, उपपुलिस अधीक्षक पुलिस बल के साथ मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि बाघ एसटी-2303 के विचरण को दृष्टिगत रखते हुये आसपास के गांवों में लोगों से घरों में रहने की चेतावनी जारी कर दी गई है।

वृंदावन के आश्रय सदनों की विधवा महिलाओं ने प्रधानमंत्री को भेजीं हाथ से बनाई राखियां

मथुरा (उप्र)/भाषा। वृन्दावन के आश्रय सदनों में रहने वालीं विधवा और निराश्रित महिलाओं ने हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए अपने हाथों से बनाई राखियां भेजी हैं।

'सुलभ इंटरनेशनल' के विधवा सहाय कार्यक्रम की उपाध्यक्ष विनीता वर्मा ने बताया कि इस परंपरा की शुरुआत इसके संस्थापक बिंदेश्वरी पाठक ने की थी।

उन्होंने कहा कि उनका मानना था कि विधवाओं को भी अन्य महिलाओं की तरह सभी प्रकार के शुभ तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों और त्योहार मनाने का अधिकार है। उन्होंने बताया कि इस बार प्रधानमंत्री को भगवान राम और ठाकुर बांकेबिहारी के चित्र वाली 551 राखियां भेजी जा रही हैं।

उत्तर प्रदेश में पुलिस भर्ती में 20 प्रतिशत 'बेटियों' की होगी नियुक्ति : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अंबेडकर नगर (उप्र)/भाषा। पुलिस भर्ती प्रक्रिया के लिए उत्तर प्रदेश में बड़े स्तर पर हो रही परीक्षा का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि पुलिस भर्ती में 20 प्रतिशत 'बेटियों' की भर्ती होगी।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर जिले के युवा को इस पूर्ण पारदर्शी नियुक्ति प्रक्रिया में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

एक सरकारी बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अंबेडकर नगर कटेहरी स्थित स्थित देव इंद्रावती महाविद्यालय में आयोजित जनपद स्तरीय वृहद रोजगार एवं ऋण मेले में ये बातें कहीं। इस अवसर पर उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रदेश में होने वाली पुलिस भर्ती में 20 प्रतिशत बेटियों को भी नियुक्ति दी जाएगी। उन्होंने कहा, ''वे (पुलिस में भर्ती होने वाली लड़कियां) प्रदेश की सड़कों पर उतरकर शोहदों का सही इलाज करेंगी।''

अपराधियों, माफिया और अराजक तत्वों को चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ किसी को भी खिलवाड़ करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा, '' वो समय गया, जब प्रदेश में चाचा-भतीजा की गैंग वसूली करने निकलती थी। अब तो जो भी ऐसा करेगा उनकी संपत्ति जब्त करवा कर जरूरतमंद में बंटवा दी जाएगी।''

कार्यक्रम में कुल 2,500 युवाओं को प्रशस्ति पत्र, 5,100 छात्र-छात्राओं को टैबलेट व कुल 211 करोड़ रुपए के ऋण का वितरण किया गया।

असम के मुख्यमंत्री ने झामुमो सरकार पर 'तुष्टीकरण' की राजनीति करने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गिरिडीह (झारखंड)/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को झारखंड में सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार पर राज्य में ''तुष्टीकरण'' की राजनीति करने का आरोप लगाया।

झारखंड में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चुनाव सह-प्रभारी शर्मा ने शनिवार को गिरिडीह जिले के बेंगाबाद का दौरा किया। शर्मा ने हवलदार चौहान हेब्राम के परिजनों से मुलाकात की। चौहान की 12 अगस्त को हजारीबाग के एक अस्पताल में एक सजायाफ्ता कैदी ने हत्या कर दी थी। हेब्राम की मां से मुलाकात के बाद शर्मा ने कहा, ''झामुमो या कांग्रेस के किसी भी विधायक ने अभी तक आदिवासी पीड़ित परिवार से मुलाकात नहीं की है।'' आजीवन कारावास की सजा काट रहा कैदी शाहिद अंसारी हजारीबाग जिले के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसबीएमसीएच) में हेब्राम पर रॉड से वार कर और 'सेलाइन पाइप' से गला घोंटकर उसकी हत्या करने के बाद फरार हो गया था। अंसारी का अस्पताल में इलाज चल रहा था।

असम के मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि फरार कैदी को पकड़ने के लिए प्रशासन ने कोई कदम नहीं उठाया। शर्मा ने कहा कि जब उन्हें घटना के बारे में पता चला तो उन्होंने शनिवार सुबह भाजपा की झारखंड इकाई के प्रमुख बाबूलाल मरांडी के साथ हेब्राम के परिवार से मिलने का फैसला किया। शर्मा ने कहा, जब मैं यहां पहुंचा तो मुझे बताया गया कि पुलिस सुबह-सुबह हेब्राम के परिवार के सदस्यों को अपने साथ ले गई।

पश्चिम बंगाल में केंद्र सरकार के हस्तक्षेप की जरूरत: जीतन मांझी

पटना/भाषा। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल में ''केंद्र सरकार के हस्तक्षेप'' की जरूरत पर जोर दिया, जहां एक चिकित्सक से बलात्कार और उसकी हत्या के बाद कानून-व्यवस्था की स्थिति सवालों के घेरे में है। माझी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी निशाना साधा और कहा कि इस जघन्य अपराध के विरोध में आयोजित प्रदर्शन पर हमला करने वाले गुंडों पर लगाम लगाने में उनका प्रशासन विफल रहा है।

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री मांझी ने कहा, ''यह बेतुका है कि (ममता) बनर्जी ने कल खुद जुलूस निकालने का फैसला किया। पूरा प्रशासन उनके नियंत्रण में है। वह किसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रही थीं।''

सोरेन ने कोलकाता मामले की निंदा की, प्रदर्शनकारी चिकित्सकों से काम पर लौटने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ बलात्कार और हत्या की घटना की शनिवार को निंदा की। साथ ही, प्रदर्शन कर रहे चिकित्सकों से मरीजों की दिक्कतों को ध्यान में रखकर काम पर लौटने की अपील की।

दिन के दौरान झारखंड में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित रहीं, क्योंकि डॉक्टर भी आईएमए के राष्ट्रव्यापी आह्वान में शामिल हो गए, जिसमें शनिवार सुबह छह बजे से 24 घंटे के लिए गैर-आपातकालीन सेवाएं बंद रखने का आह्वान किया गया था। सोरेन ने कहा कि उन्होंने डीजीपी को राज्य के अस्पतालों में काम करने वाले सभी कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सख्त कदम उठाने का निर्देश दिया है। झारखंड के मुख्यमंत्री ने कहा, ''बंगाल की घटना की जितनी निंदा की जाए, कम है। बंगाल सरकार एवं केंद्र सरकार की एजेंसियां दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए प्रयत्नशील हैं और मुझे पूरी उम्मीद है कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। मैं राज्य के चिकित्सकों से अपील करना चाहूंगा कि आपकी सरकार आपकी वेदना में आपके साथ खड़ी है, परंतु राज्य के मरीजों का इलाज भी अत्यंत आवश्यक है। अतः आप काम पर लौटें एवं मरीजों को स्वस्थ बनाने में अपना सार्थक सहयोग करें।''

दलगत राजनीति से ऊपर उठें राजनीतिक दल: मायावती

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने कोलकाता में चिकित्सक के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म करने और फिर उसकी हत्या की घटना पर शनिवार को राजनीतिक दलों से ''दलगत राजनीति से ऊपर उठने'' का आग्रह किया। मायावती ने पोस्ट कर कहा, ''बंगाल में महिला चिकित्सक के साथ दुष्कर्म और फिर हत्या की घटना से पूरा देश चिंतित और आक्रोशित (है), फिर भी तृणमूल कांग्रेस सरकार अपने बचाव में इसे धार्मिक और राजनीतिक रंग देने में लगी है, वहीं विपक्ष भी इस मामले में कम नहीं। ऐसे में दोषियों को सख्त सजा और पीड़ित परिवार को न्याय कैसे मिले इसकी चिंता जरूरी।'' उन्होंने कहा, ''अतः इस मामले में आरोप-प्रत्यारोप आदि को त्याग कर असली दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के लिए सभी को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर आगे आना होगा। पीड़ित परिवार ने मुआवजा नहीं लेने और न्याय की बात कही है, उनकी पीड़ा और घटना को लेकर इंसाफ के तकाजे पर सभी को गंभीर होने की जरूरत।'' बसपा नेता ने कहा, ''इस घटना को लेकर चिकित्सकों और मेडिकल छात्रों का आंदोलन भी अपनी जगह सही है जिसका समर्थन भी है, लेकिन इस दौरान गरीब मरीजों के इलाज की तरफ भी जरूर ध्यान दिया जाए तो यह उचित होगा।

'लेटरल एंट्री' एससी, एसटी, ओबीसी वर्गों को आरक्षण से दूर रखने की साजिश: खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को आरोप लगाया कि केंद्र में 'लेटरल एंट्री' के माध्यम से भर्ती अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) को आरक्षण से दूर रखने की मोदी सरकार की साजिश है। उन्होंने एक विज्ञापन का हवाला दिया जिसमें 45 पदों पर लेटरल एंट्री के माध्यम से भर्ती के लिए आवेदन मांगे गए हैं।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''संविधान को तार-तार करती भाजपा ने किया आरक्षण पर डबल वार। पहला, आज मोदी सरकार ने केंद्र में संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव के कम से कम 45 पद लेटरल एंट्री द्वारा भरने का विज्ञापन निकाला है। क्या इसमें एससी,एसटी, ओबीसी एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग का आरक्षण है?'' उन्होंने यह आरोप लगाया कि सोची समझी साज़िश के तहत भाजपा जानबूझकर नौकरियों में ऐसे भर्ती कर रही है, ताकि आरक्षण से एससी, एसटी, ओबीसी वर्गों को दूर रखा जा सके। खरगे ने कहा, ''दूसरा, उत्तर प्रदेश में 69,000 सहायक शिक्षकों की नियुक्ति में आरक्षण घोटाले का अब हाईकोर्ट के फैसले से पर्दाफ़ाश हो चुका है। राहुल गांधी ने मार्च 2024 में दलित और पिछड़े वर्ग में आरक्षण घोटाले में प्रधानमंत्री जी को पत्र लिखकर वंचित अभ्यर्थियों की आवाज़ उठाई थी। योगी सरकार ने अभ्यर्थियों से नाइंसाफ़ी करते हुए ये पद भरे थे, जिसमें दलित और पिछड़े वर्ग का आरक्षण का संवैधानिक हक़ उनसे छीना गया।''

कोलकाता में चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या की घटना से हर कोई चिंतित है: रीजीजू

भुवनेश्वर/भाषा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में चिकित्सक से दुष्कर्म और फिर उसकी हत्या की घटना से सिर्फ स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के लोग ही नहीं, बल्कि हर कोई चिंतित है। रीजीजू नवनिर्वाचित विधायकों के लिए आयोजित विशेष कार्यक्रम में शामिल होने के लिए यहां पहुंचने के बाद संवाददाताओं से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''कोलकाता की घटना के बाद सुरक्षा को लेकर हर कोई चिंतित है। यह सिर्फ स्वास्थ्य कर्मचारियों का मामला नहीं है, बल्कि यह सभी की सुरक्षा का मामला है। पश्चिम बंगाल की घटना को लेकर हर कोई चिंतित है। इस घटना से लोगों में रोष है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी सभी जरूर कदम उठाए हैं।'' पिछले सप्ताह कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में ड्यूटी के दौरान परास्नातक प्रशिक्षु चिकित्सक से कथित तौर पर दुष्कर्म किया गया और उसकी हत्या कर दी गई।

बिहार में गंगा पर बन रहे पुल का एक हिस्सा गिरा

भागलपुर/खगड़िया/पटना/भाषा। बिहार में गंगा नदी पर निर्माणाधीन पुल का एक हिस्सा शनिवार सुबह गिर गया। अधिकारियों ने बताया कि इस पुल को तोड़ा जा रहा था और शनिवार को अचानक इसका एक हिस्सा गिर गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। भागलपुर और खगरिया जिलों को जोड़ने वाले इस पुल का एक स्लैब गिर गया। घटना से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें स्थानीय लोग दूर खड़े होकर यह चिल्लाते हुए सुने जा सकते हैं कि ढांचा एक बार फिर से गिर गया है। उल्लेखनीय है कि पुल का कुछ हिस्सा 2022 की शुरुआत में और एक साल बाद फिर से ढह गया था। खगड़िया के जिलाधिकारी अमित कुमार पांडे ने कहा कि निर्माणाधीन पुल की पूरी संरचना को दोषपूर्ण माना गया और पटना उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार ठेकेदार द्वारा इसे तोड़ा जा रहा है। पुल का हिस्सा गिरने की इस घटने के कारण राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने इस घटना के लिए सीधे तौर पर नीतीश कुमार सरकार को जिम्मेदार ठहराया। पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी ने इस वर्ष जनवरी में अपनी पार्टी के सत्ता से बाहर होने तक सड़क निर्माण विभाग संभाला हुआ था। तेजस्वी ने कहा, जब मैं विभाग का प्रमुख था तब आईआईटी रुड़की के विशेषज्ञों की एक समिति ने इस पुल की जांच की थी।

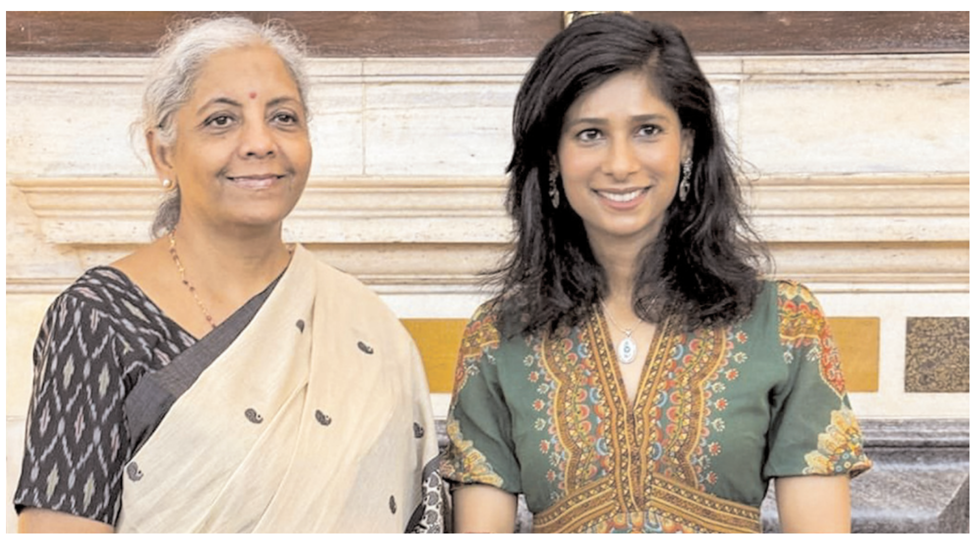

भारत को वृद्धि पथ पर रहने, रोजगार सृजन के लिए अधिक सुधारों की जरूरत: गीता गोपीनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की उप प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथ ने शनिवार को कहा कि भारत को आर्थिक वृद्धि के रास्ते पर आगे बढ़ने तथा देश में पर्याप्त रोजगार सृजन सुनिश्चित करने के लिए और अधिक सुधार करने की आवश्यकता होगी।

यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गोपीनाथ ने कहा कि यदि भारत वैश्विक आपूर्ति शृंखला में एक महत्वपूर्ण भागीदार बनना चाहता है तो उसे आयात शुल्क कम करना होगा। उन्होंने कहा, संरचनात्मक सुधारों के संदर्भ में सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में महत्वपूर्ण सुधार किए हैं।

गोपीनाथ ने कहा कि विश्व ऐसे माहौल में है जहां व्यापार एकीकरण पर सवाल उठ रहे हैं, तथा भारत के लिए वैश्विक व्यापार के लिए खुला रहना महत्वपूर्ण है।

प्रमुख अर्थशास्त्री ने कहा, भारत में शुल्क दरें अन्य समकक्ष अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में अधिक हैं। यदि वह विश्व मंच पर एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी और वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनना चाहता है, तो उसे उन शुल्क को कम करना होगा। गोपीनाथ ने कहा कि विकसित देश का दर्जा प्राप्त करना एक बड़ी आकांक्षा है, लेकिन यह अपने आप नहीं हो जाता।

इसके लिए कई क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर निरंतर, सुसंगत प्रयास की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा, भारत की समग्र वृद्धि दर अच्छी रही है और सात प्रतिशत की दर से यह विश्व में सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है।

गोपीनाथ ने कहा, प्रश्न यह है कि इस गति को कैसे बनाए रखा जाए तथा इसे और कैसे बढ़ाया जाए, ताकि भारत में प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हो सके तथा यह एक उन्नत अर्थव्यवस्था बन सके।

बम की धमकी के बाद गुरुग्राम के एंबियंस मॉल को खाली कराया गया

गुरुग्राम/भाषा। हरियाणा के गुरुग्राम स्थित एंबियंस मॉल को शनिवार को बम की धमकी वाला एक ईमेल मिलने के बाद खाली कराया गया। हालांकि तलाशी अभियान में कुछ नहीं मिला। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि श्वान दस्ता के साथ बम निष्क्रिय करने वाली टीम मौके पर पहुंची तथा साढ़े चार घंटे तक तलाशी अभियान चलाया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एंबियंस मॉल प्रबंधन को सुबह 9.27 बजे बम की धमकी वाला ईमेल मिला।

'हिडेनबोन्स101एट द रेट ऑफ जीमेल डॉट कॉम' से भेजे गए इस ईमेल में लिखा है, ''मैंने इमारत में बम लगाए हैं। इमारत के अंदर मौजूद हर व्यक्ति मारा जाएगा, आपमें से कोई भी बच नहीं पाएगा। आप मौत के हकदार हैं। मैंने इमारत में बम इसलिए लगाए क्योंकि मुझे अपनी जिंदगी से नफरत है। इस हमले के पीछे पैगी और नोरा हैं।'' डीएलएफ (गुरुग्राम) के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) विकास कौशिक ने कहा, ''एंबिएंस मॉल में तलाशी अभियान समाप्त हो गया है। तलाशी में कुछ भी नहीं मिला। हम अब धमकी वाला ईमेल भेजने वाले आरोपी की तलाश कर रहे हैं।''

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि वह ईमेल के स्रोत का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

लखनऊ के अमौसी हवाईअड्डे पर रेडियोधर्मी पदार्थ से संबंधित अलार्म बजने से हड़कंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। चौधरी चरण सिंह (अमौसी) हवाईअड्डे पर कैंसर रोगियों के लिए दवाइयों से भरी एक खेप से रेडियोधर्मी पदार्थ का अलार्म सक्रिय होकर बज गया, जिससे शनिवार को हड़कंप मच गया। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा के मुख्य परिचालन अधिकारी अभिषेक प्रकाश ने बयान में बताया, कैंसर रोगियों के लिए दवाइयों से भरी एक खेप ने लखनऊ हवाईअड्डे के कार्गो क्षेत्र में रेडियोधर्मी पदार्थ के लिए अलार्म सक्रिय कर दिया। अलार्म बजने के कारण का पता लगाने के लिए बुलाए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल ने खेप को सुरक्षित घोषित कर दिया है। हवाईअड्डा अधिकारियों ने अलार्म बजने पर तुरंत प्रतिक्रिया दी और अधिकारियों को सूचित किया। घटना से उड़ान संचालन पर कोई असर नहीं पड़ा। बयान में कहा गया, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ और जान-माल का कोई खतरा नहीं है। हवाईअड्डे पर परिचालन सुचारू रूप से चल रहा है और इस पर कोई असर नहीं पड़ा है।

पेरिस से स्वदेश लौटने पर विनेश फोगाट का भव्य स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पेरिस ओलंपिक में महिलाओं के 50 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में पहुंचने के बावजूद अधिक वजन होने के कारण पदक नहीं जीत पाने वाली भारत की स्टार पहलवान विनेश फोगाट का शनिवार को यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया।

बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक जैसे स्टार खिलाड़ियों के अलावा पंचायत नेता भी विनेश का स्वागत करने के लिए पहुंचे थे। विनेश फूल मालाओं से लदी थी। उन्होंने खुली जीप में सवार होकर लोगों का आभार व्यक्त किया। कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा विनेश के साथ थे और उन्होंने इस पहलवान को मिठाई खिलाई। विनेश ने हाथ जोड़कर कहा,''मैं पूरे देश का आभार व्यक्त करती हूं।'' इसके बाद यह विशाल काफिला विनेश

के साथ हरियाणा में उनके गांव बलाली रवाना हुआ। पूरे रास्ते में लोग उनके स्वागत के लिए खड़े थे और इस पहलवान ने भी उनका आभार व्यक्त किया। हुड्डा ने विनेश को 'विजय का प्रतीक' गदा भेंट की जिसे देखकर विनेश भावुक हो गईं और उनके पति सोमवीर ने उन्हें सांत्वना दी। हुड्डा ने ट्विटर पर कई पोस्ट डालर 29 वर्षीय विनेश के जुझारूपन की तारीफ की। उन्होंने ट्वीट किया, ''हमारी नजर में आप पहले भी विजेता रही हैं और भविष्य में भी विजेता रहेंगी। आपके साहस, संघर्ष और दृढ़ संकल्प ने ना केवल करोड़ों देशवासियों का दिल जीता है, बल्कि आप देश के करोड़ों युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं।'' अपने गांव रवाना होने से पहले विनेश ने दिल्ली के द्वारका में एक मंदिर में पूजा अर्चना भी की। इस दौरान उनके लगभग 50 समर्थक उनकी जीप के पीछे चल रहे थे। विनेश के आगमन के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

पेरिस ओलंपिक में फाइनल से पहले किए गए वजन में उनका वजन 100 ग्राम अधिक निकला था जिसके कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

विनेश ने संयुक्त रूप से रजत पदक दिलाने के लिए खेल पंचाट में अपील की थी जिसके कारण वह पेरिस में रुकी रही। खेल पंचाट ने उनकी अपील को खारिज कर दिया था। साक्षी मलिक ने कहा,''वह लंबे समय बाद स्वदेश लौटी है। वह काफी भावुक है। वह कुछ समय अपने परिवार के साथ बिताएगी और खुद को शांतचित्त रखेगी। विनेश ने महिलाओं के लिए जो कुछ किया है वह सराहनीय है। वह भले ही पदक हासिल नहीं कर पाई लेकिन हमारे लिए वह चैंपियन है।''

90 मीटर की दूरी हासिल करने को 'ऊपरवाले' पर छोड़ दिया है: नीरज चोपड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पेरिस खेलों में 90 मीटर के अपने लक्ष्य से मामूली अंतर से चूकने के बाद, दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने कहा कि उन्होंने इस लक्ष्य को अब भगवान के भरोसे छोड़ दिया है। नीरज ने पेरिस ओलंपिक में 89.45 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता। पेरिस ओलंपिक में उनके छह प्रयास में से यह इकलौता वैध प्रयास था।

लगातार दो ओलंपिक खेलों में पदक जीतना किसी भारतीय एथलीट के लिए एक बड़ी उपलब्धि है लेकिन नीरज लगातार दो स्वर्ण पदक जीतने से चूक गये। उनका प्रयास पाक के अरशद नदीम के ओलंपिक रिकॉर्ड प्रयास से 92.97 मीटर से काफी कम था। नदीम इस दौरान व्यक्तिगत खेलों में पाकिस्तान के लिए स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने। नीरज ने निकट भविष्य में 90 मीटर के लक्ष्य के बारे में पूछे जाने पर कहा, अब लगता है कि इस तरह के लक्ष्य को 'ऊपरवाले' पर छोड़ना होगा।'' उन्होंने जेएसडब्ल्यू द्वारा आयोजित ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मैं बस अच्छी तरह से तैयारी करना चाहता हूं और देखना चाहता हूं कि भाला कहां जाता है। 90 मीटर के बारे में पहले ही बात हो चुकी है, अब मुझे लगता है कि इसे रहने दो। पेरिस में मुझे लगा था कि यह होगा और यह हो सकता था।'' उन्होंने कहा, ''अब मैं अगले दो या तीन प्रतियोगिताओं में 100% दूंगा और देखूंगा कि क्या होता है। इस दौरान मैं खामियों को सुधारने पर काम करूंगा।'' नीरज कमर की चोट से परेशान हैं लेकिन वह खेल को जारी रखते हुए डायमंड लीग मीट में भाग लेंगे। वह 22 अगस्त को होने वाले डायमंड लीग में प्रतिस्पर्धा करेंगे और फिर ब्रुसेल्स में 13-14 सितंबर को डायमंड लीग फाइनल में भाग लेने के बाद चिकित्सकों से परामर्श लेंगे।

सुविचार

जिंदगी एक पहेली है। जिंदगी जीना आसान नहीं है। हर कदम पर नई मुसीबतों का सामना करने के लिए तैयार रहना पड़ता है।

ट्वीट

हमने विभिन्न योजनाओं, नीतियों, और विकास कार्यों के माध्यम से प्रदेश के हर क्षेत्र में समृद्धि लाने का संकल्प लिया है। हमारा उद्देश्य है कि राजस्थान के हर नागरिक को विकास की इस यात्रा में सहभागी बनने का अवसर मिले।

-भजनलाल शर्मा

देश की आज़ादी के लिए हँसते हुए अपने प्राण न्योछावर कर देने वाले अमर शहीद श्री मदन लाल ढींगरा जी के बलिदान दिवस पर सादर नमन। साधन सम्पन्न परिवार से होते हुए भी उन्होंने देश के लिए बलिदान का रास्ता चुना।

-ओम बिरला

कहानी

गोविंद सेन

स्पीड ब्रेकर

हफ्ते-दो हफ्ते में कोई न कोई स्पीड ब्रेकर मिल ही जाता है। अमूमन सुबह घूमकर लौटने में मुझे सवा घंटा लगता है। लेकिन जब कोई स्पीड ब्रेकर मिल जाता है तो पंद्रह मिनट से लेकर आधे घंटे तक की देरी हो जाती है। पत्नी पूछती है - 'आज देर हो गई?' मेरा जवाब होता - 'एक स्पीड ब्रेकर मिल गया था। साले ने आधे घंटे तक चगने ही नहीं दिया। फोकट मगज खाता रहा।' स्वर में खिन्नता होती। अनचाहे ही रास्ता रोककर मगज खाने वाले को मैं स्पीड ब्रेकर ही कहता हूँ। ये स्पीड ब्रेकर स्वाभाविक गति को बाधित कर दिमाग की धारा को एक अलग मोड़ दे देते हैं। घर पहुँचने की कितनी ही जल्दी क्यों न हो, स्पीड ब्रेकर अपनी बात पूरी बताए बगैर छोड़ते ही नहीं। मेरी ऊब और जाने की जल्दी को समझते ही नहीं। ऐसे परिचित मिलते ही रहते हैं।

एक बार एक परिचित शुगर के लिए खुद पर आजमाए हुए देशी नुस्खे ही बताता रहा - वह भी आधे घंटे तक। अनिच्छा से उसे सुनना ही पड़ा। चूँकि वह तो मेरे भले के लिए ही बता रहा था। इसलिए मैं उसे सुनने से कैसे इनकार कर दूँ। आखिर सौजन्य भी कोई चीज होती है।

आज भी एक स्पीड ब्रेकर मिल गया था। मैं अपने आपको कोसता हूँ। क्यों दो मिनट लेट न हुआ। दो न सही एक मिनट ही लेट हो जाता तो उसके दृष्टिपथ में तो न आता। मन्या का शिकार न बनता। बालीपुर फाटे से वह बालीपुर के लिए मुड़ जाता और मैं उसकी पकड़ में आने से बच जाता। लेकिन होनी बलवान होती है - होकर ही रहती है।

मन्या मंडी से सब्जियाँ लेकर लौट रहा था। वह मध्यान्ह भोजन के लिए सब्जियाँ लाता है। रोज मंडी टच करता है। अक्सर वह स्कूटी से आता-जाता दीखता रहता है। लेकिन कभी न उसने मिलने की कोशिश की थी, न मैंने। लेकिन आज तो वह मिलने को उत्सुक ही नहीं, बल्कि आमादा लग रहा था।

जैसे ही मैं बालीपुर फाटे पर पहुँचा, मन्या की निगाह मुझ पर पड़ गई। उसकी तो बाँछें खिल गईं। जैसे उसे अपना शिकार अनायास और निष्प्रयास मिल गया हो। उसने अपनी स्कूटी रोक दी थी। चाबी घुमाकर स्कूटी बंद कर दी। पहले तो मैं भी खुश हुआ था कि चलो, बरसों पुराने एक परिचित से मिलना हो जाएगा। लेकिन कुछ ही समय बाद खुद को फँसा हुआ महसूस करने लगा। वह आठ-दस साल बाद मिला था और उसकी बातें खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही थी। वह बिना रुके अपनी सफलता की कहानी सुनाता ही जा रहा था। जैसे फर्राटे से दौड़ती बिना ब्रेक की गाड़ी हो।

मन्या यानी मन्नालाल। बचपन में हम उसे मन्या ही कहते थे। मैंने बालीपुर से ही मौसी के घर रहकर मिडिल पास की थी। क्लास में अव्वल आता था। तब अव्वल आना बड़ी बात होती थी। अव्वल आने वाला लड़का चर्चित हो जाता था। यह मान लिया जाता था कि यह आगे चलकर डॉक्टर, इंजीनियर या बड़ा अफसर बनकर खूब पैसे कमाएगा। गाँव के हिसाब से यह बड़ी बात होती। मेरी यही छवि मन्या के दिमाग में भी बनी हुई होगी। अब वह उस छवि को ध्वस्त करने पर लगभग आमादा था।

मन्या का घर मौसी के घर से बिलकुल सटा हुआ था। पकी-अधपकी ईटों की कामचलाऊ दीवारें थीं। आधी छत कवेलू और आधी पतरों से ढकी थी। आर्थिक हालत खराब थी जो कि अधिकांश लोगों की थी। मन्या मुझसे आठ-दस साल छोटा होगा ही। वह मौसेरे भाई मुकेश का हमउम्र था। दोनों एक ही क्लास में पढ़ते थे। मन्या एक किसान परिवार से था। तीन भाइयों में वह सबसे छोटा था। हिस्से-बँटवारे के बाद जमीन कम हो गई थी। मन्या को रोजगार और पैसे कमाने के दूसरे विकल्प तलाश करने पड़े थे। उसका रुझान तिकड़म और जुगाड़ में अधिक था।

वह विस्तार से बताता जा रहा था। कैसे उसने शून्य से शुरू हो शिखर को छुआ था। एक जमाना ये था कि वह लोगों से पैसे माँगता फिरता था। उसके पास सौ-दो सौ का भी सोय नहीं होता था। सत्रह धंधे और फंदे किए। जुड़ाई की। मकान बनाने के ठेके लिए। फिर भी बात नहीं बनी। बलात्कार के एक केस में भी फँसा। हालाँकि उसने यह नहीं बताया कि उसने सचमुच बलात्कार किया था या नहीं। मैंने भी सौजन्य वश सच्चाई जानने की कोशिश नहीं की। जज को एक लाख रुपये देकर वह उस केस से बरी हुआ था। इस हिसाब से तो वह बहुत परेशानी में फँसा हुआ था।

मुझ से रहा न गया। पूछा - 'फिर यह कायापलट कैसे हुई?'

शायद वह इसी सवाल का इंतजार कर रहा था। उसने फटाक से जवाब दिया -'एमडीएम से। मध्याह भोजन मेरे लिए अनमोल रतन साबित हुआ।' जैसे मीराबाई को राम रतन धन प्राप्त हुआ था वैसे ही उसे एमडीएम रूपी रतन प्राप्त हुआ था। पहले वह सीईओ को हजार-दो हजार के लिए ब्लैकमेल किया करता था। सीईओ ने कहा - 'तू एमडीएम क्यों नहीं चलाता।'

तब उसके पास पैसे कहाँ थे। कुछ समय पहले उसने बैंक में क्राफ्ट लोन के लिए आवेदन कर रखा था। संयोग से खबर आई कि मन्नालाल तेरा लोन मंजूर हो गया है। पर तीन हजार देने होंगे। वह उत्साह से बताने लगा - 'मेरी तो उड़ के लगी थी। मैंने कहा - तीन नहीं चार हजार लेना, एक हजार मेरी तरफ से और मैंने उसे लोन में से ही चार हजार खुशी-खुशी दे दिए। वह भी खुश, मैं भी खुश। इस तरह साठ हजार मुझे बैंक से मिल गए।'

उसने गौर किया कि पहले की तरह मन्या गाँव की आड़ी बोली से एकदम ठेठ खड़ी बोली पर आ गया था। हालाँकि लहजा उसका वही गाँव वाला ही था। शायद हिंदी में बात करने से ज़्यादा वजन पड़ता है। दूसरी बात शायद यह हो कि वह मुझे प्रभावित करना चाहता हो। चूँकि अब मैं गाँव में नहीं रहता, शहर का बाशिंदा हो गया हूँ। जबकि मन्या गाँव में ही रहता है। इसलिए वह यह दिखा देना चाहता है कि अब वह गाँव का सीधासादा मन्या नहीं, बल्कि शहरी बाबुओं, मास्टरों और अफसरों को भी घुमा देने वाला मन्नालाल बन चुका है।

उसने बैंक से लोन के बाद की कहानी बताना शुरू की। अब सवाल गेहूँ का था।

'याद करो कि बद्रीलाल वर्मा मास्टर कैसे मरा?' मुझसे मुखातिब हो उसने पूछा।

'हार्ट अटैक से'। मेरे जवाब पर वह मुस्काया। जैसे मैंने कोई निहायत ही बचकाना जवाब दिया हो।

'लेकिन हार्ट अटैक क्यों पड़ा?' '...'

मन्या के इस सवाल का मेरे पास जवाब नहीं था। तब रहस्य पर से पर्दा उठाने के अंदाज में उसने कहा - 'पहले एमडीएम मास्टर चलाते थे। वर्मा मास्टर ने कंट्रोल से गेहूँ उठाया ही नहीं। कागज पर एमडीएम चलाता रहा। दस क्विंटल गेहूँ इकट्ठे हो गए। वह जिस दिन कंट्रोल से, चोरी से गेहूँ ले जा रहा था, मैंने पकड़ लिया। धमकाया कि अभी कंप्लेन करता हूँ। बस वर्मा मास्टर घबरा गया। अटैक आया और वहीं खतम। यदि मैं बीच में नहीं आता तो वह पूरा गेहूँ बेचकर खा गया होता।'

वर्मा की मौत की हकीकत जान मैं अवाक रह गया।

अब आगे का किस्सा सुनो - 'अंबाराम पाटीदार को मैंने कहा - गेहूँ दिलवा दो तो एमडीएम शुरू करता हूँ।'

'अंबाराम कौन?' मैंने जानना चाहा।

'अरे, वही, जो बीओ ऑफिस में है, एमडीएम सँभालता है... उसने झट से कागज बना दिया कि दस क्विंटल गेहूँ मन्नालाल राठौर को दिया जाय।'

मुझे कुछ तो मालूम था ही। लेकिन उससे कन्फर्म करना चाहता था। मगज में अंबाराम पाटीदार की फाइल खुलने लगी। वह मूलतः शिक्षक ही था। लेकिन मंडल संयोजक बना बैठा था। स्थानीय विधायक का खास कृपा पात्र था। उसने एमडीएम के लिए आए हुए गेहूँ का पूरा का पूरा एक ट्रक ही पार कर दिया था। बहुत जुगाड़ी है। उसकी थोक स्टेशनरी की दुकान चल रही है। ब्लाक की सभी स्कूलों और सरकारी कार्यालयों में उसी की दुकान से स्टेशनरी जाती है। गाँव में लम-सम खेती-बाड़ी तो है ही।

मन्नालाल ने जोर देकर बताया कि आज मेरे पास सात आँगनवाड़ी और चार स्कूल हैं। पूरे ब्लाक की आँगनवाड़ियों के लिए सत्तू बनाने का काम भी मुझे ही मिला था। उसने थोड़े धीमे स्वर में बताया कि सत्तू-वत्तू कुछ बना नहीं। साहब ने कहा -'मन्नालाल सत्तू बनाने की कोई जरूरत नहीं पाँच लाख आए हैं। तीन तू ले और दो मैं रखता हूँ। तीन लाख फ़ोकट के आ गए। भगवान जब देता है तो छप्पर फाड़कर देता है... फिर और सत्तू का काम मिल रहा है।'

'एमडीएम भी एक नंबर चलाता हूँ। भोजन मीनू अनुसार ही बनता है। सब लोगों से कहता हूँ कि पहले मेरी आँगनवाड़ी चेक करो। सब चेक करते हैं और पीठ ठोककर जाते हैं। पंद्रह अगस्त और छब्बीस जनवरी पर मास्टरों और अफसरों को विशेष भोजन देता हूँ।' फिर वह मीनू अनुसार भोजन बनाने और निरीक्षकों को खुश रखने की खुद की ईजाद की हुई तरकीबों पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालता रहा।

'तुम्हारी कितने साल की सर्विस है?'

सवाल सुन मैं थोड़ा अचकचा गया। मैं इसके लिए कतई तैयार नहीं था। यह पहली बात थी जिसका संबंध मुझ से था। अभी तक वह केवल अपना ही वर्णन-विवरण और विचार प्रस्तुत कर रहा था, वह भी बहुत ही प्रभावी तरीके से। मुझ पर तो जैसे अचानक हमला हुआ हो। मैं तो अभी उसकी ही बातों में डूब-उतरा रहा था। लेकिन मुझे जवाब तो देना ही था। पता नहीं वह यह क्यों जानना चाहता है? मन में अनाम आशंका फन उठाने लगी। मन ही मन हिसाब लगाने लगा।

'तीस साल तो हो गए हैं। चौरासी में लगा था।'

मन्या उत्साह से बताने लगा - 'एमडीएम चलाते-चलाते अभी मुझे केवल छह साल हुए हैं। बैंक में मेरे तीस लाख पड़े हैं।'

सुनकर मैं आश्चर्यचकित हो गया। मन्या का चेहरा खुशी से दीप्त होता जा रहा था। मेरा चेहरा बुझता जा रहा था। मुझे अपना दयनीय बैंक खाता याद आया। बच्चे ठीक रोजगार से लग नहीं पा रहे थे। प्राइवेट स्कूल में मास्टरी कर रहे थे।

उसने आगे बताया - 'एक पिक-अप, बुलेरो, मोटरसाइकिल और ये स्कूटी है। तीन मंजिला मकान खड़ा कर लिया है। कभी आकर देखो तो... कभी स्कूल से छुट्टी भी ले लिया करो। छुट्टी तो तुम क्या लेते होंगे। गेप भी क्या मारते होंगे। कुछ करो दादा, कोरी मास्टरी से क्या होगा... मेरे छोरे ने बीफार्मा कर लिया है। तीन लाख दे दिए हैं। एमवाय में उसका हो जाएगा। छोरी भी इंदौर में सीए का कोर्स कर रही है।'

मुझे अपनी जिंदगी व्यर्थ होने का अहसास तीव्रता से होने लगा। क्यों मैं अंबाराम पाटीदार या मन्या जैसा नहीं बन पाया!

'मुकेश बहुत पिछड़ गया है। बाल के धंधे में कोई दम नहीं है।'

मुझे तो वह धराशायी कर ही चुका था। अब उसे उसने उसके साथ पढ़ने वाले मौसेरे भाई मुकेश को भी पकड़ लिया था। उसने उसे भी अपटनी लगा दी। अखाड़े में मन्या के सामने न मैं कुछ लग रहा था, न मुकेश। दोनों उसके सामने धूल चाट रहे थे।

मुकेश बाल बनाने का काम न करे तो क्या करे। खेती-बाड़ी तो है नहीं। क्या वह भी मन्या जैसा हो जाय या उसे गुरु बनाकर पैसे कमाने के तरकीबें सीखे। तिकड़मों के पाठ पढ़े।

तभी मोबाइल बजा। मोबाइल उठाने से पहले मैंने उससे इजाजत ली - 'अच्छा चलूँ' और उसकी इच्छा की परवाह किए बगैर मैंने आगे बढ़ते हुए पत्नी का मोबाइल अटैंड किया। पत्नी मुझसे पूछ रही थी कि मैं कहाँ अटक गया हूँ। अभी तक लौटा क्यों नहीं।

'अरे, कुछ नहीं, रस्ते में एक स्पीड ब्रेकर मिल गया था।' मैंने पत्नी को कारण बताया जो शायद उसके सिर के ऊपर से निकल गया था।

खैर, रस्ते भर मन्या की बातें मगज में उमड़ती-घुमड़ती रहीं। मन्या ने अपना विराट रूप दिखाकर मुझे वामन सिद्ध कर दिया था। खूब पढ़ा-लिखा होने के बावजूद मेरी गुजर जैसे-तैसे ही हो रही थी जबकि मन्या बमुश्किल आठवीं पास होगा। लेकिन मजे कर रहा है।

मुझे समझ में नहीं आ रहा था कि मैं मन्या को धिक्कारूँ या खुद को... या उस व्यवस्था को जो मन्या जैसे लोगों को हीरो बना देती है।

– 'हिन्दी समय' से साभार

जैसे ही मैं बालीपुर फाटे पर पहुँचा, मन्या की निगाह मुझ पर पड़ गई। उसकी तो बाँछें खिल गईं। जैसे उसे अपना शिकार अनायास और निष्प्रयास मिल गया हो। उसने अपनी स्कूटी रोक दी थी। चाबी घुमाकर स्कूटी बंद कर दी। पहले तो मैं भी खुश हुआ था कि चलो, बरसों पुराने एक परिचित से मिलना हो जाएगा। लेकिन कुछ ही समय बाद खुद को फँसा हुआ महसूस करने लगा। वह आठ-दस साल बाद मिला था और उसकी बातें खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही थी। वह बिना रुके अपनी सफलता की कहानी सुनाता ही जा रहा था। जैसे फर्राटे से दौड़ती बिना ब्रेक की गाड़ी हो।

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

शिवोऽहम्...(4)

आदिगुरु शंकराचार्य महाराज के आत्मषटकम को निर्वाणषटकम क्यों कहा गया, इसकी प्रतीति चौथे श्लोक में होती है। यह श्लोक कहता है,

न पुण्यं न पापं न सौख्यं न दु:खं
न मंत्रो न तीर्थं न वेदा न यज्ञः।
अहम भोजनं नैव भोज्यम न भोक्ता
चिदानन्दरूपः शिवोऽहम शिवोऽहम ।।

मैं न पुण्य से बँधा हूँ और न ही पाप से। मैं सुख और दुख से भी विलग हूँ, इन सबसे मुक्त हूँ। अर्थ स्पष्ट है कि आत्मस्वरूप सदकर्म या दुष्कर्म नहीं करता। इनसे उत्पन्न होनेवाले कर्मफल से भी कोई सम्बंध नहीं रखता।

मंत्रोच्चारण, तीर्थाटन, ज्ञानार्जन, यजन कर्म सभी को सामान्यतः आत्मस्वरूप का अधिष्ठान माना गया है। षटकम की अगली पंक्ति सीमाबद्ध को असीम करती है। यह असीम, सीमित शब्दों में कुछ यूँ अभिव्यक्त होता है, 'मैं न मंत्र हूँ, न तीर्थ, न ही ज्ञान या यज्ञ।' भावार्थ है कि आत्मस्वरूप का प्रवास कर्म और कर्मानुभूति से आगे हो चुका है।

मंत्र, तीर्थ, ज्ञान, यज्ञ, पाप, पुण्य, सुख, दुखादि कर्मों पर चिंतन करें तो पाएँगे कि वैदिक दर्शन हर कर्म के नाना प्रकारों का वर्णन करता है। तथापि तत्सम्बंधी विस्तार में जाना इस लघु आलेख में संभव नहीं।

आगे आदिगुरु का कथन विस्तार पाता है, 'मैं न भोजन हूँ, न भोग का आनंद, न ही भोक्ता।' अर्थात साधन, साध्य और सिद्धि से ऊँचे उठ जाना। विचार के पार, उर्ध्वाधार। कुछ न होना पर सब कुछ होना का साक्षात्कार है यह। एक अर्थ में देखें तो यही निर्वाण है, यही शून्य है।

वस्तुत: शून्य में गहन तृष्णा है, साथ ही गहरी तृप्ति है। शून्य परमानंद का आलाप है। इसे सुनने के लिए कानों को ट्यून करना होगा। अपने विराट शून्य को निहारने और उसकी विराटता में अंकुरित होती सृष्टि देख सकने की दृष्टि विकसित करनी होगी। शून्य के परमानंद को अनुभव करने के लिए शून्य में जाना होगा।... अपने शून्य का रसपान करें। शून्य में शून्य उँड़ेलें, शून्य से शून्य उलीचें। तत्पश्चात आकलन करें कि शून्य पाया या शून्य खोया?

शून्य अवगाहित करती सृष्टि,
शून्य उकेरने की टिटिहरी कृति,
शून्य के सम्मुख हाँफती सीमाएँ
अगाध शून्य की अशेष गाथाएँ,
साधो...!
अथाह की कुछ थाह मिली
या फिर शून्य ही हाथ लगा?

साधक एक बार शून्यावस्था में पहुँच जाए तो स्वत: कह उठता है, 'मैं सदा शुद्ध आनंदमय चेतन हूँ, मैं शिव हूँ, मैं शिव हूँ, शिवोऽहम्..!'

बोध कथा

नकली तोते की कहानी

एक बार की बात है, एक घने जंगल में विशाल बरगद का पेड़ था। उस पेड़ पर बहुत सारे तोते रहा करते थे। वे सभी हमेशा इधर-उधर की बात करते रहते थे। उन्हीं में एक मिट्ठु नाम का तोता भी था। वह बहुत कम बोलता था और शांत रहना पसंद करता था। सब उसकी इस आदत का मजाक उड़ाया करते थे, लेकिन वह कभी भी किसी की बात का बुरा नहीं मानता था। एक दिन दो तोते आपस में बात कर रहे थे। पहला तोता बोला मुझे एक बार बहुत अच्छा आम मिला था। मैंने पूरे दिन उसे बड़े चाव से खाया। इस पर दूसरे तोते ने जवाब दिया मुझे भी एक दिन आम का फल मिला था, मैंने भी बड़े चाव से उसे खाया था। वहीं, मिट्ठु तोता चुपचाप बैठा था। तब तोतों के मुखिया ने उसे देखते हुए कहा अरे हम तोतों का तो काम ही होता है बात करना, तुम क्यों चुप रहते हो? मुखिया ने आगे कहा तुम तो मुझे असली तोते लगते ही नहीं। तुम नकली तोते हो। इस पर सभी तोते उसे नकली तोता-नकली तोता कहकर बुलाने लगे, लेकिन मिट्ठु तोता फिर भी चुप था।

यह सब चलता रहा। फिर एक दिन रात में मुखिया की बीवी का हार चोरी हो गया। मुखिया की बीवी रोती हुई आई और उसने पूरी बात बताई। मुखिया की बीवी ने कहा किसी ने मेरा हार चोरी कर लिया है और वो हमारी ही झुंड में से एक है। यह सुनकर मुखिया ने तुरंत सभा बुलाई। सभी तोते तुरंत सभा के लिए इकट्ठा हो गए। मुखिया ने कहा मेरी बीवी का हार चोरी हो गया है और मेरी बीवी ने उस चोर को भागते हुए भी देखा है।

वह चोर आप लोगों में से ही कोई एक है। यह सुनकर सभी हैरान हो गए। मुखिया ने फिर आगे कहा कि उसने अपने मुंह को कपड़े से ढककर रखा हुआ था, लेकिन उसकी चोंच बाहर दिख रही थी। उसकी चोंच लाल रंग की थी। अब पूरे झुंड की निगाह मिट्ठु तोते और हीरू नाम के एक दूसरे तोते पर थी, क्योंकि झुंड में केवल इन्हीं दोनों की चोंच लाल रंग की थी। यह सुनकर सभी मुखिया से चोर का पता लगाने के लिए बोलने लगे, लेकिन मुखिया ने सोचा कि ये दोनों मेरे अपने हैं। मैं कैसे इनसे पूछ सकता हूं कि तुम चोर हो क्या? इसलिए, मुखिया ने एक कौवे से इसका पता लगाने के लिए मदद ली। असली चोर का पता लगाने के लिए कौवे को बुलाया गया। कौवे ने लाल चोंच वाले हीरू और मिट्ठु तोते को सामने बुलाया। कौवे ने दोनों तोतों से पूछा कि तुम दोनों चोरी के समय कहां थे? इस पर हीरू तोता जोर-जोर से बोलने लगा मैं उस दिन बहुत थक गया था। इसलिए, खाना खाकर मैं उस रात जल्दी सोने के लिए चला गया था। वहीं मिट्ठु तोते ने बहुत धीमी आवाज में जवाब दिया। उसने कहा मैं उस रात सो रहा था। इस बात को सुनकर कौवे ने फिर पूछा तुम दोनों अपनी बात साबित करने के लिए क्या कर सकते हो? इस पर हीरू तोता फिर बड़ी तेज आवाज में बोला मैं उस रात सो रहा था। मेरे बारे में सब जानते हैं। ये चोरी मिट्ठू ने ही की होगी।

इसलिए, वह इतना शांत होकर खड़ा है? मिट्ठु तोता चुपचाप खड़ा हुआ था। सभा में मौजूद सभी तोते चुपचाप यह सब देख रहे थे। मिट्ठु तोता फिर धीमी आवाज में बोला मैंने यह चोरी नहीं की है। इस बात को सुनकर कौवा मुस्कुराकर बोला कि चोर का पता लग गया है। मुखिया के साथ-साथ सब लोग हैरानी से कौवे की ओर देखने लगे। कौवे ने बताया कि चोरी हीरू तोते ने की है। इस पर मुखिया ने पूछा आप यह कैसे कह सकते हैं? कौवे ने मुस्कुराकर कहा हीरू तोता जोर-जोर से बोलकर अपने झूठ को सच साबित करने में लगा था, जबकि मिट्ठु तोता जानता है कि वह सच बोल रहा है। इसलिए, वो अपनी बात आराम से कह रहा था। कौवे ने आगे कहा वैसे भी हीरू तोता बहुत बोलता है, उसकी बात पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। इसके बाद हीरू ने अपना जुर्म कबूल कर लिया और सभी से माफी मांगी। यह सुनकर सभी तोते हीरू तोते को कड़ी सजा देने की बात कहने लगे, लेकिन मिट्ठु तोते ने कहा मुखिया जी, हीरू तोते ने अपनी गलती मान ली है। उसने सबके सामने माफी भी मांग ली है। उससे पहली बार यह गलती हुई है, इसलिए उसे माफ किया जा सकता है। यह बात सुनने के बाद मुखिया ने हीरू तोते को माफ कर दिया।

वीर गाथा

कर्नल सोनम वांगचुक: 'लद्दाख के शेर' को देखकर साथियों के शव छोड़कर भागे थे पाकिस्तानी फौजी

'लद्दाख का शेर' कहे जाने वाले सोनम वांगचुक का जन्म 11 मई, 1964 को लेह जिले के संकार में हुआ था। जब उनकी उम्र पांच साल थी, वे माता-पिता के साथ हिमाचल के सोलन आ गए थे। उन्होंने शुरुआती स्कूली पढ़ाई वहीं से की थी। इसके बाद वे धर्मशाला चले गए। वहां उन्हें धर्मगुरु दलाई लामा से आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। सोनम के पिता वहां बतौर सुरक्षा अधिकारी सेवा दे रहे थे। सोनम वांगचुक ने कॉलेज की शिक्षा दिल्ली से प्राप्त की थी। उनके पिता का सपना था कि वे प्रशासनिक सेवा में जाएं, वहीं सोनम चाहते थे कि वे सैनिक बनें और भारत मां की सेवा करें। उनका यह सपना जल्द पूरा हुआ। वे साल 1987 में सेना में भर्ती हो गए।

इसके बाद उन्हें असम रेजिमेंट की चौथी बटालियन में बतौर सेकंड लेफ्टिनेंट नियुक्त किया गया। वे उत्तर-पूर्व में तैनात रहे। फिर, शांति अभियान में श्रीलंका भेजे गए। इसके बाद उन्हें लद्दाख स्काउट्स में तैनात किया गया।

साल 1999 में कारगिल युद्ध छिड़ने पर मेजर सोनम और उनके साथियों को चोरबैट ला टॉप पर कब्जे का जिम्मा सौंपा गया। सोनम ने प्रतिकूल मौसम और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बीच अपने जवानों का नेतृत्व किया। उन्होंने रणनीति के अनुसार पाकिस्तानी घुसपैठियों पर जोरदार प्रहार किया। इससे कई पाकिस्तानी ढेर हो गए। भारतीय जवानों का पलटवार इतना जबर्दस्त था कि पाकिस्तान को अपने जवानों के साथ गोला-बारूद का भी काफी नुकसान उठाना पड़ा था। बौखलाए पाकिस्तान ने फिर हमला बोला, लेकिन सोनम की सैन्य सूझबूझ से उसे विफल कर दिया गया।

मेजर सोनम के नेतृत्व में भारतीय जवान लगातार भारी पड़ते जा रहे थे। यह देखकर पाकिस्तानियों का हौसला टूटने लगा। वे मोर्चा छोड़कर भागने लगे। उन्होंने अपने साथियों के शव भी वहीं छोड़ दिए थे।

इसके बाद भारतीय जवानों ने कई मोर्चे फतह कर लिए। मेजर सोनम वांगचुक को महावीर चक्र से सम्मानित किया गया। वे साल 2018 में बतौर कर्नल सेना से सेवानिवृत्त हुए।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वागत

नई दिल्ली में शनिवार को पहलवान विनेश फोगट का दिल्ली में पेरिस ओलंपिक 2024 में भाग लेने के बाद आईजीआई हवाई अड्डे पर पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

अफ्रीका में 'एमपॉक्स' के प्रकोप को नजरअंदाज किया गया, अब यह अगली वैश्विक महामारी बन सकता है

जोहानिसबर्ग। अफ्रीका में 'एमपॉक्स' का प्रकोप इस तथ्य का एक और उदाहरण है कि कैसे संक्रामक रोगों को 'किसी दूसरे की समस्या' समझा जाता है। विशेष तौर पर गरीबों व विकासशील देशों को प्रभावित करने वाली यह बीमारी अचानक विश्व के लिए अप्रत्याशित रूप से नया खतरा बन सकती है। नजरअंदाज की गई अन्य बीमारियों के उदाहरण वेस्ट नाइल, जीका और चिकनगुनिया वायरस हैं। 'एमपॉक्स' का पता 1958 में चला था और इंसानों में इसके सबसे पहले मामले की पहचान 1970 में हुई थी।

इसके बाद दशकों तक वैज्ञानिकों और जन स्वास्थ्य समुदायों ने इस संक्रामक रोग को नजरअंदाज किया क्योंकि यह अफ्रीका के ज्यादातर दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों में फैलने वाला एक असामान्य संक्रमण था, जिसका बाकी दुनिया में कोई नामोनिशान नहीं था।

जब 'एमपॉक्स' ने 2022 में विकसित देशों को प्रभावित करना शुरू किया तब जाकर शोधकर्ताओं ने शोध शुरू किये और वैज्ञानिक अध्ययनों की संख्या में इजाफा हुआ। अप्रैल 2022 के बाद से केवल एक 'मेडिकल सर्च इंजन' पर ही पिछले 60 वर्षों की अपेक्षा अधिक शोध किए गए हैं। अफ्रीकी शोधकर्ताओं ने 'एमपॉक्स' के निदान, उसके उपचार और संक्रमण को रोकने वाले उपकरणों में वैश्विक निवेश को बढ़ाने की जरूरत को लेकर बार-बार आह्वान किया, जिसके बावजूद 2022-23 में 'एमपॉक्स' एक वैश्विक प्रकोप के रूप में सामने आया।

मुलाकात

गिरिडीह में शनिवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी बेंगाबाद, गिरिडीह में शहीद कांस्टेबल चौहान हेम्ब्रम के परिवार के सदस्यों से मुलाकात करते हुए।

'द राजा साहब' में काम करेंगी निधि अग्रवाल

मुंबई/एजेन्सी

बहुप्रतीक्षित पैन इंडिया फिल्म द राजा साहब ने अपने स्टार-स्टडेड कास्ट में निधि अग्रवाल को शामिल करने की घोषणा करते हुए प्रशंसकों को एक रोमांचक अपडेट के साथ आश्चर्यचकित कर दिया है। निधि अग्रवाल के जन्मदिन के अवसर पर यह घोषणा फिल्म के प्रोडक्शन हाउस, पीपुल्स मीडिया फैक्ट्री द्वारा एक जश्न मनाने वाले सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से की गई।निधि अग्रवाल के सुपरस्टार प्रभास जैसे स्टार कास्ट में शामिल होने की घोषणा ने फिल्म उद्योग में उत्सुकता और उत्साह को बढ़ा दिया है। यह नई ऑन-स्क्रीन जोड़ी तुरंत चर्चा का विषय बन गई है, जिससे फिल्म को लेकर उम्मीदें बढ़ गई हैं।उत्साह को और बढ़ाते हुए, घोषणा के साथ इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें साझा की गई हैं, जिसमें निधि को सेट पर अपना जन्मदिन मनाते हुए देखा जा सकता है। वह केक काटती और क्रू के साथ पोज देती हुई दिखाई दे रही हैं, जो टीम का गर्मजोशी से स्वागत करता है।

पीपुल्स मीडिया फैक्ट्री की पोस्ट में लिखा गया: टीम दराजासाहबशानदार निधिअग्रवालका स्वागत करते हुए रोमांचित है! सेट पर ढेर सारे प्यार और उत्साह के साथ उनका जन्मदिन मना रहे हैं पीपुल्स मीडिया फैक्ट्री द्वारा निर्मित, द राजा साहब में ऋद्धि कुमार, वरलक्ष्मी सरथकुमार, जीशु सेनगुप्ता, ब्रह्मानंदम और योगी बाबू जैसे सितारों की भरमार है। प्रशंसित एसएस थमन के संगीत के साथ, यह फिल्म 10 अप्रैल, 2025 को तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज़ होने वाली है।

बिल गेट्स ने सिएटल में पहले भारत दिवस समारोह की शुरुआत की

सिएटल/न्यूयॉर्क/भाषा। प्रौद्योगिकी कंपनी 'माइक्रोसॉफ्ट' के सह-संस्थापक और अरबपति परोपकारी बिल गेट्स ने सिएटल क्षेत्र में पहले भारत दिवस समारोह को हरी झंडी दिखाते हुए कहा कि सुरक्षित टीकों के निर्माण से लेकर डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे तक हर क्षेत्र में भारत की कुशलता न केवल भारतीयों, बल्कि पूरे विश्व की मदद कर रही है। 'गेट्स फाउंडेशन' के अध्यक्ष गेट्स ने भारत के 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सिएटल स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास के मुख्य अतिथि के रूप में ग्रेटर सिएटल क्षेत्र में प्रथम भारत दिवस समारोह का उद्घाटन किया। सिएटल वाणिज्य दूतावास द्वारा शुक्रवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि गेट्स ने समारोह में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के 2,000 से अधिक सदस्यों को संबोधित करते हुए भारत को ''प्रौद्योगिकी, कृषि और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में अभूतपूर्व नवोन्मेष करने वाला एक वैश्विक नेता'' बताया।

गेट्स ने इस बात पर जोर दिया कि ''कम लागत का सुरक्षित टीका बनाने और प्रवासी भारतीयों द्वारा दिखाए गए उल्लेखनीय नेतृत्व से लेकर भारत के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी (डीपीआई) ढांचे तक-भारत की कुशलता न केवल भारतीयों, बल्कि पूरी दुनिया की मदद कर रही है।

'ग्लोबल साउथ' के देश अपनी डीपीआई प्रणाली बनाने के लिए भारत के अनुभव का लाभ उठा रहे हैं।'' 'ग्लोबल साउथ' शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर आर्थिक रूप से अल्प विकसित देशों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है। 'ग्लोबल साउथ' शब्द आम तौर पर लातिन अमेरिका, एशिया, अफ्रीका और ओशेनिया के क्षेत्रों के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

अमृतसर में शनिवार को रक्षा बंधन त्योहार से पहले राखी खरीदती लड़कियाँ।

कंगना रनौत ने स्त्री 2 की टीम को फिल्म की सफलता के लिए बधाई दी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने फिल्म स्त्री 2 की सफलता पर स्त्री 2 की पूरी टीम को बधाई दी है। श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की हॉरर कॉमेडी फिल्म 'स्त्री 2' बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई कर रही है। कंगना ने सोशल मीडिया पर 'स्त्री 2' की सफलता पर स्त्री 2 की टीम को बधाई दी है। कंगना ने लिखा, फिल्म स्त्री-2 ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं, पूरी टीम को बधाई, लेकिन फिल्म का असली हीरो उसका निर्देशक होता है। भारत में हम निर्देशकों की उतनी तारीफ नहीं करते हैं और न ही उन्हें फिल्म के हिट होने पर ज्यादा श्रय देते हैं, इसलिए बहुत सारे युवा, लेखक या निर्देशक नहीं, बल्कि एक्टर बनने की इच्छा रखते हैं। फिल्मों में करियर बनाने की चाहत रखने वाले जितने भी व्यक्ति आज तक मुझसे मिले हैं वे या तो अभिनेता बनना चाहते हैं या सुपरस्टार। अगर सभी अभिनेता बन जाएंगे तो फिल्में कौन बनाएगा! सोचो!इसलिए उन अच्छे निर्देशकों के बारे में पढ़िए जो आपको एंटरटेन करने के लिए इतनी मेहनत करते हैं। उन्हें फॉलो कीजिए और उनके जीवन के बारे में जानिए। उनकी तारीफ कीजिए प्रिय अमर कौशिक सर, मोस्ट अवेटेड ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर फिल्म देने के लिए थैक्यूं।

उल्लेखनीय है कि फिल्म 'स्त्री 2' वर्ष 2018 में रिलीज सुपरहिट फिल्म 'स्त्री' का सीक्वल है। फिल्म 'स्त्री 2' में श्रद्धा कपूर, राज कुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना, तमन्ना भाटिया, अभिषेक बनर्जी जैसे कलाकार हैं।अमर कौशिक के निर्देशन में बनी फिल्म स्त्री 2, करीब 90 करोड़ रूपये की कमाई कर चुकी है।'स्त्री 2' का निर्माण दिनेश विजान ने मैडॉक फिल्म्स और जियो स्टूडियोज की ज्योति देशपांडे के साथ मिलकर किया है।

पाकिस्तान में अनियमित इंटरनेट से विदेशी कंपनियों के बड़े पैमाने पर पलायन की आशंका: उद्योग जगत

कराची/भाषा। पाकिस्तान में सरकार द्वारा लागू किए जा रहे विवादास्पद फायरवॉल सिस्टम की वजह से पाकिस्तान में इंटरनेट की धीमी और अनियमित सेवाओं के कारण देश से बड़े पैमाने पर विदेशी कारोबारी पलायन कर सकते हैं।

पाकिस्तान बिजनेस काउंसिल (पीबीसी) और पाकिस्तान सॉफ्टवेयर हाउसेज एसोसिएशन (पीएसएचए) ने यह चेतावनी दी है।

यह चेतावनी ऐसे समय में आई है, जब कुछ महीने पहले उबर, फाइजर, शेल, एली एली (अमेरिका), सनोफी (फ्रांस), टेलीनॉर (नॉर्वे), लोट्टो केमिकल (दक्षिण कोरिया) जैसी कुछ शीर्ष कंपनियों ने अपनी पूरी या आंशिक हिस्सेदारी स्थानीय कंपनियों को बेच दी थी।

इस कदम से विदेशी निवेश में भारी गिरावट का संकेत मिला और पाकिस्तान के निवेश माहौल, आर्थिक नीतियों और नियामक बाधाओं पर सवाल उठे।

पीबीसी ने बयान में कहा, कई बहुराष्ट्रीय कंपनियां (एमएनसी) या तो पाकिस्तान से अपने कार्यालय स्थानांतरित करने की योजना बना रही हैं या ऐसा कर चुकी हैं, क्योंकि कथित तौर पर फायरवॉल लगाए जाने से देश भर में बड़े पैमाने पर इंटरनेट बाधित हो रहा है।

बांग्लादेश में हाल में हुई हिंसा में लगभग 650 लोग मारे गए: संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट

ढाका/जिनेवा/भाषा। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय (यूएनएचसीआर) ने एक प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा है कि 16 जुलाई से 11 अगस्त के बीच बांग्लादेश में अशांति के दौरान हिंसक घटनाओं में लगभग 650 लोग मारे गए। इस रिपोर्ट में न्यायेतर हत्याओं, मनमानी गिरफ्तारियों और लोगों को हिरासत में लिये जाने की गहन, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच का सुझाव दिया गया है।

''बांग्लादेश में हालिया विरोध प्रदर्शन और अशांति का प्रारंभिक विश्लेषण'' शीर्षक वाली 10-पृष्ठ की रिपोर्ट के अनुसार, 16 जुलाई से चार अगस्त के बीच करीब 400 मौतें हुईं, वहीं पांच और छह अगस्त के बीच विरोध प्रदर्शनों के हिंसक रूप लेने के बाद लगभग 250 लोगों की मौत हो गई। प्रदर्शनों के सत्ता विरोधी आंदोलन का रूप लेने के बाद शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा।

मीडिया और आंदोलन समूहों द्वारा उपलब्ध सार्वजनिक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 16 जुलाई से 11 अगस्त के बीच, भेदभाव-विरोधी छात्र प्रदर्शनों के बाद हिंसा की घटनाओं में 600 से अधिक लोग मारे गए।

जिनेवा में शुक्रवार को जारी की गई रिपोर्ट में कहा गया है कि उस समय से प्रतिशोध में की गई हत्याओं की संख्या अभी निर्धारित की जानी बाकी हैं। यूएनएचसीआर की रिपोर्ट में कहा गया है कि सात से 11 अगस्त के बीच कई मौतें हुईं, जिनमें वे लोग भी शामिल हैं जिनकी हिंसा में लगी चोटों के कारण चिकित्सा उपचार के दौरान मौत हो गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि मरने वालों में प्रदर्शनकारी, राहगीर, पत्रकार और सुरक्षा बल के कई जवान शामिल थे। इसमें कहा गया है कि हजारों प्रदर्शनकारी और राहगीर घायल हुए तथा अस्पताल अत्यधिक मरीजों से भरे हुए हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मौतों की संख्या संभवतः कम आंकी गई है, क्योंकि कर्फ्यू और इंटरनेट बंद होने के कारण आवाजाही पर प्रतिबंधों के कारण सूचना संग्रह में बाधा आ रही है।

प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी 'कल्कि 2898 एडी'

मुंबई/एजेन्सी

ब्लॉक बस्टर फिल्म कल्कि 2898 एडी का ग्लोबल स्ट्रीमिंग प्रीमियर 22 अगस्त, को प्राइम वीडियो पर होगा। नाग अश्विन निर्देशित फिल्म कल्कि 2898 एडी में अमिताभ बच्चन,प्रभास, कमल हासन, दीपिका पादुकोण और दिशा पाटनी की मुख्य भूमिका है।प्रियंका दत्त, सी. असवानी दत्त और स्वप्ना दत्त के द्वारा वैजयंती मूवीज के बैनर तले बनीं कल्कि 2898 एडी प्राइम वीडियो 22 अगस्त को स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगी । यह फिल्म तेलुगु में देखी जाएगी, और तमिल, कन्नड़, और मलयालम डब के साथ, अंग्रेजी सब टाइटल्स भी होंगे।

प्रभास ने कहा, नागा जैसे क्रिएटिव डायरेक्टर और बेहतरीन कास्ट के साथ कल्कि 2898 एडी पर काम करना बहुत ही मजेदार रहा है। यह फिल्म कहानी कहने के तरीके को माइथोलॉजी और फ्यूचरिस्टिक एलिमेंट्स के मेल के साथ अपने दायरे से बाहर ही नहीं जाती है, बल्कि यह इंसानों के पेचीदा स्वभाव के बारे में भी बात करती है।

ताकतवर और दृढ़ संकल्प से भरपूर भैरव का किरदार निभाना बहुत ही संतोषजनक रहा है। सिनेमाघरों में कल्कि 2898 एडी को मिले प्यार के बाद, मैं प्राइम वीडियो पर इसके ग्लोबल प्रीमियर के लिए एक्साइटेड हूँ। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को इसे देखने में उतना ही मज़ा आएगा जितना हमें इसे बनाने में आया है। कल्कि 2898 एडी के निर्माता सी. अश्विनी दत्त ने कहा, बॉक्स ऑफिस पर सफल प्रदर्शन और सभी आयु वर्ग के लोगों से मिली शानदार प्रतिक्रिया के बाद, वैजयंती मूवीज़ अपने 50वें वर्ष का जश्न मनाने का इससे बेहतर तरीका नहीं खोज सकती थी। कल्कि 2898 एडी प्राइम वीडियो पर दुनिया भर के दर्शकों के लिए अपने ओरिजनल तेलुगु और तमिल, कन्नड़ और मलयालम में डब के साथ उपलब्ध होगी। हम सभी द्वारा कल्कि की दुनिया देखने को लेकर उत्साहित हैं, जिसमें जबरदस्त परफॉर्मेंस और एक ऐसी कहानी है जो विजुअली इंप्रेसिव और बेहद एंगेज करने वाली है, जिसे दर्शक और ज्यादा देखना चाहते हैं। नाग अश्विन ने कहा,कल्कि 2898 एडी के साथ, मैं एक ऐसी फिल्म बनाना चाहता था जो नई और अलग हो, जो आम लिमिट्स से परे हो और हमारे कल्चरल स्टोरीज को दुनिया के साथ शेयर करे। दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की बड़ी सफलता देखना बहुत ही खुश करने वाला है। यह दिखाता है कि भारतीय पौराणिक कथाओं पर आधारित फिल्मों का आनंद हर जगह के लोग उठा सकते हैं। सिनेमाघरों में इतना प्यार पाने के बाद, मैं प्राइम वीडियो पर कल्कि 2898 एडी की स्ट्रीमिंग और दुनिया भर में और भी बड़े दर्शकों तक पहुँचने के लिए उत्साहित हूं।

कल्कि 2898 एडी में सुप्रीम यास्किन की भूमिका निभाने वाले कमल हासन ने कहा, कल्कि 2898 एडी जैसी ग्रैंड फिल्म प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना मेरे लिए यादगार और विनम्र दोनों रहा है। यह फिल्म भारतीय सिनेमा के लिए एक बड़ा कदम है। इस तरह के एमिबिशियस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना सम्मान की बात है, और मैं प्राइम वीडियो पर इसके प्रीमियर के लिए एक्साइटेड हूं, जहां यह दुनिया भर के नए दर्शकों तक पहुंच सकेगी।

'वनवास' फिल्म है भावनाओं का 'गदर', मेरे दिल के करीब है : अनिल शर्मा

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म निर्माता अनिल शर्मा ने कहा है कि नाना पाटेकर और उत्कर्ष शर्मा अभिनीत उनकी अगली फिल्म 'वनवास', जिसका नाम पहले 'जर्नी' था, वह भावनाओं का 'गदर' है। अपनी अगली फिल्म के बारे में आईएएनएस से बात करते हुए, अनिल शर्मा ने कहा कि 'वनवास' भावनाओं का गदर है। यह भावनाओं का विस्फोट है। यह एक ऐसी कहानी है, जिसमें हमने यह दिखाने की कोशिश की कि एक पिता का महत्व सबसे ऊपर होता है। यह एक ऐसी फिल्म है जो हर किसी को पसंद आएगी। यह फिल्म हर पिता देखेगा और फिर अपने बेटों को इसे देखने के लिए कहेगा। फिल्म निर्माता ने कहा कि उन्होंने सिनेमा में अपनी यात्रा 'श्रद्धांजलि' जैसी फिल्मों से शुरू की। फिर 'बंधन कच्चे धागों का' 'अपने' जैसी फिल्में बनाई, जो उनके जीवन की भावनात्मक यात्रा की तरह थी। इसी तरह, 'वनवास' भी एक भावनात्मक यात्रा है, जहां मैं कहता हूं, 'अपने ही देते हैं अपनों को वनवास', मैं दुनिया का सबसे बड़ा सच बताने की कोशिश कर रहा हूं। यह आज के समय में बहुत प्रासंगिक है।

फिल्म निर्माता अनिल शर्मा की 'गदर 2' फिल्म ने हिंदी सिनेमा में एक साल पूरा कर लिया है। उन्होंने उस पल को याद किया जब उन्हें अनुभवी स्टार अभिनेता नाना पाटेकर का फोन आया था, जो यह देखकर आश्चर्यचकित थे कि अनिल शर्मा एक्शन फिल्म नहीं बना रहे हैं। अनिल शर्मा ने कहा कि 'गदर' के बाद जब मैं फिल्म की शूटिंग शुरू करने वाला था तो नाना पाटेकर ने फोन किया और कहा कि अनिल मैंने सोचा था कि तुम एक बड़ी एक्शन फिल्म की शूटिंग कर रहे होगे। 'गदर' इतनी बड़ी हिट बन गई है। इसके जवाब में मैंने उनसे कहा , नाना सर, मैं एक इमोशनल 'गदर' बना रहा हूं। मैं एक ऐसी फिल्म बना रहा हूं जो मेरे दिल के करीब है। मैं किसी ट्रेंड के मुताबिक नहीं चलता हूं, बल्कि जो महसूस करता हूं उस पर फिल्म बनाता हूं।

मशहूर होना व ग्लैमर की दुनिया में तहलका मचाना : उर्फी जावेद

मुंबई/एजेन्सी

उर्फी जावेद अपने फैशन सेंस को लेकर सुर्खियों में बनी रही हैं, लेकिन इस बार वह अपनी अपकमिंग शो 'फॉलो कर लो यार' को लेकर चर्चाओं में हैं। मेकर्स ने शो का ट्रेलर जारी किया है, इसमें उनकी लाइफ से जुड़ी हर चीज.. जैसे स्ट्रगल, सक्सेस और अनसुनी बातों को दिखाया गया है। मेकर्स का दावा हैं कि शो में बिना किसी फिल्टर के उनकी जिंदगी को दिखाया जाएगा। 9 एपिसोड वाली इस सीरीज को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर 23 अगस्त को रिलीज किया जाएगा। यह सोल प्रोडक्शंस की फाजिला अल्लाना और कामना मेनेजेस द्वारा निर्मित और संदीप कुकरेजा द्वारा निर्देशित है। 'फॉलो कर लो यार' को लेकर उर्फी जावेद ने कहा, ''मैंने हमेशा बड़े सपने देखे हैं, तब भी जब लोगों ने कहा कि मैं ऐसा नहीं कर सकती। मशहूर होना? ग्लैमर की दुनिया में तहलका मचाना? यही मेरा पहले दिन से ही गेम प्लान रहा है। मेरे लिए यह आसान नहीं था। मैंने सक्सेस से ज्यादा जिंदगी में उतार देखें हैं, ऐसे पलों का, जो किसी को भी अंदर से तोड़ दे, उनका सामना किया है। लेकिन मैने हर बार पहले से ज्यादा मजबूत होकर खुद को वापस खड़ा किया है।''

''लोगों ने मेरी कहानी का सिर्फ एक पहलू ही देखा है, लेकिन सोशल मीडिया से दूर मेरी जिंदगी और भी ज्यादा पागलपन भरी है। यह पूरी तरह से ड्रामा है! मैंने पहले भी रियलिटी टीवी किया है, लेकिन मेरा खुद का शो होना एक सपने के सच होने जैसा है। 'फॉलो कर लो यार' रॉ, रियल और 100 प्रतिशत मेरा है, बिना किसी फ़िल्टर और बेबाक तरीके से।'' ''क्या आपको लगता है कि आप उर्फी को जानते हैं? खैर, असली चीज देखने के लिए तैयार हो जाइए। यह एक रोमांचक सफर होने वाला है, और मैं आप सभी के मेरे साथ जुड़ने का इंतजार बेसब्री से कर रही हूं।'' शो के निर्देशक संदीप कुकरेजा ने कहा, ''असली मजा उनकी लाइफ के उन पलों को कैद करने में था, जिन्हें उनके फॉलोअर्स और फैंस ने कभी नहीं देखा था। रियलिटी, हमें उन तरीकों से सरप्राइज करती है, जिसकी हम कभी उम्मीद नहीं करते। यह चुनौतीपूर्ण और रोमांचक दोनों था।''

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

थोड़ी-सी भिन्नता के कारण व्यक्ति के मन में विचार बदलते हैं। अलग-अलग ज्ञान, दर्शन देखते हैं तो मन ऊपर-नीचे हो जाता है। व्यक्ति सत्य से विमुख हो जाता है। सत्य यानी जो शाश्वत, स्थायी हो, हमेशा आपके साथ चलता रहे। ऐसे सत्य का दर्शन कराने वाले, उसे जोड़कर रखने वाले परमात्मा का दर्शन है। वहां भी हमारा मिथ्यात्व शुरू हो जाता है। मिथ्यात्व मोहनीय कर्म का उपशम भी होता है। उपशम यानी हमारे कर्मों को दबा देना। जैसे पानी में फिटकरी डालने से उसमें रही हुई गंदगी नीचे जमा हो जाती है और पानी शुद्ध हो जाता है।

अनेकांतवाद समग्र सत्य की दिशा में ले जाने का सही मार्ग है : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आंशिक सत्य तो हर एक के पास है। लेकिन सत्य अनेकांतवाद में है। शनिवार को एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी महाराज ने विशाल प्रवचन धर्मसभा मे श्रध्दालुओं को धर्म उपदेश देते हुए कहा कि आंशिक सत्य तो हर व्यक्ति के पास है। परमाणु से जुड़े हुए अस्त्र-शस्त्र का निर्माण समग्रता से होता है। कहते हैं समग्र सत्य तो आपस में मिलकर ही है। समग्र सत्य को पाने के लिए अनेकांतवाद का ही सहारा लेना पड़ेगा। आप यदि भगवान महावीर स्वामी के अनेकांतवाद के समाधान को देखेंगे तो अलग-अलग अपेक्षाओं से सत्य की दिशा में ले जाने का प्रयास होगा। अनेकांतवाद कहता है द्रव्य के अनेक गुण-धर्म होते हैं। द्रव्य के पर्याय बदलते रहते हैं। द्रव्य की उत्पत्ति व विनाश होता रहता है। द्रव्य या पदार्थ परीवर्तनशील और अनित्य है। उसका लक्षण बनना, बिगड़ना और फिर बन जाना है, यही अनेकांतवाद का सार है।

युवाचार्यश्री ने कहा कि जीव जब गर्भ में जाता है तो इंद्रियों के सहित जाता है या इंद्रियों के बिना। शरीर की अवस्था बदलती है लेकिन आत्मा तो वही रहती है। जब जीव गर्भ में पहुंचता है तब उसमें कई प्रकार की संभावनाएं रहती है। यह समझना इसलिए जरूरी है क्योंकि गृहस्थ जीवन में सब इस स्थिति से गुजरते हैं। शास्त्रकारों ने इसका जवाब दिया कि जब जीव गर्भ में आता है तब वह इंद्रियों सहित भी है और इंद्रियों रहित भी है। अब प्रश्न यह उठता है कि यह आप कैसे कह सकते हैं। परमात्मा ने कहा द्रव्य इंद्रिय यानी उपकरण और निवृत्ति की अपेक्षा से वह इंद्रियरहित है। जब आत्मा एक जगह से दूसरी जगह जाती है तो द्रव्येंद्रिय लेकर नहीं जा सकती। केवल कर्म ही साथ जाते हैं। आज इन दोनों द्रव्येंद्रिय पर अत्याचार होता जा रहा है। इसका रखरखाव भी होना चाहिए। भावेंद्रिय की अपेक्षा से जीव इंद्रिय युक्त आता है। भावेंद्रिय दो प्रकार की है लब्धि और उपयोग। हमारे अंदर क्षमताएं होना और उसके उपयोग का अत्यंत महत्व है। हमारे शास्त्रों में गर्भवती स्त्री को दो जीवा कहा गया है। गर्भ में आने से पहले ही भावेंद्रिय उसके साथ है। अगर आप चाहते हैं आने वाला बच्चा आत्मविश्वास से भरा हो तो वह बच्चा जन्म तक रोये नहीं। उसमें भावेंद्रिय यानी जानने की शक्ति है। उसके लिए आवश्यक वातावरण का ध्यान रखना सबका कर्तव्य है। मुनिश्री हितेंद्र ऋषिजी ने बताया कि रविवार को मरुधर केशरी व लोकमान्य संत रूपचंद जी महाराज की जयंती गुणगान और एकासन दिवस के रूप में मनाई जाएगी। सोमवार को रक्षाबंधन के पावन दिवस पर भाई-बहन जोड़ी के रूप में सामूहिक जाप करेंगे ओर बहने भाई की कलाई पर राखी बांधेगी। इस दौरान धर्मसभाआ कोटा संप्रदाय के अबीरमुनि के देवलोकगमन पर श्रद्धांजलि स्वरूप चार लोगस्स का कायोत्सर्ग किया गया। इस मौके पर सुश्रावक ताराचंद दुगड़ व अशोक बोहरा ने भावांजलि अर्पित की। पूना की निकिता विकास जैन व दुर्ग छत्तीसगढ़ की छोटी सी बालिका आकृति संचेती ने युवाचार्यश्री के प्रति अपने भाव प्रकट किए। शनिवार को नवकार मंत्र जप के लाभार्थी संपतराज रमेश दर्ड़ा परिवार थे।

दयालुता पुरस्कार के तीसरे संस्करण का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चांग ए लाइफ चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा शेयरधारकों के कल्याण के लिए और उनके निस्वार्थ दान के लिए नियरलीटा पुरस्कार के तीसरे संस्करण का आयोजन अलवरपेट के होटल सवेरा में किया गया।

इस कार्यक्रम का आयोजन सवेरा होटल के प्रबंध निदेशक विले और नीना रेड्डी द्वारा अबोल ओनम के प्रति उनके अचंभित प्रेम और क्षितिज को दिखाने के लिए किया गया था। इस वर्ष दयालुता पुरस्कार के लिए कलाकारों का चयन किया गया। दयालुता पुरस्कार का आयोजन सवेरा होटल के संस्थापक विजय कुमार ए रेड्डी की दयालुता की विरासत को निरंतर बनाए रखने के लिए किया जाता है।

गौशाला को अनुदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। यहां श्री मीनाक्षी गौशाला ट्रस्ट को 1 लाख 11 हजार रुपए का दिया अनुदान दिया गया। मदुरै प्रवासी संगठन की सदस्य एवं जीवदया प्रेमी सुनीतादेवी (धर्मपत्नी स्व. गौतमचंद भंडारी) के पुत्र श्रेय भंडारी ने स्थानीय श्री मीनाक्षी गौशाला ट्रस्ट को गौसेवार्थ के लिए एक लाख ग्यारह हजार रुपए की राशि गौशाला ट्रस्ट के चेयरमैन मीठालाल संखलेचा को सौंपी। जहां ट्रस्ट मंडल ने सहयोगी भंडारी परिवार के श्रेणीक सिंघवी एवं भागचन्द बाफना का शॉल ओढाकर एवं माला पहनाकर सम्मान किया गया। इस दौरान ट्रस्ट मंडल के हुक़ूमसिंह दहिया, पारसमल मुथा, श्रेणीक सिंघवी भागचन्द बाफना, दिनेश सालेचा मौजूद रहे।

स्वतंत्रता दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मदुरै में विप्र वाहिनी की अध्यक्ष कृष्णा राजपुरोहित ने बताया की विप्र फाउंडेशन मदुरै चैप्टर द्वारा देश का स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। ध्वजारोहण किया गया। इस मौके पर कार्यकारिणी संगठन मंत्री पुष्पा देवी, कोषाध्यक्ष गायत्री देवी, निर्मला व्यास, निर्मला पारीक, सीमा त्रिवेदी, संतोष राजपुरोहित, लीला देवी राजपुरोहित, युथ टीम निकिता राजपुरोहित आदि शामिल हुईं।

स्वतंत्रता दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई में महावीर जैन ग्रुप ने 78वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया। आलथुर गांव के उधवुम ननबर्गल स्कूल में निर्मला बसंत छल्लाणी ने ध्वजारोहण किया। स्कूल की प्रिंसिपल बोनोदिनी ने सभी अतिथियों का हार्दिक स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने देशभक्ति पर आधारित भाषण, नाटक, और नृत्य प्रस्तुत किए, जिससे पूरे माहौल में देशभक्ति की भावना जाग उठी। समारोह में बच्चों को लड्डू और उपहार भी वितरित किए गए। इस आयोजन के प्रायोजक महेंद्र और निर्मला संचेती रहे। स्कूल के संस्थापक पार्थसारथी ने सभी को धन्यवाद व्यक्त किया।

जिनदत्त कुशल सूरी मंडल द्वारा गौशाला में सेवा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री मलयप्रभ सागरजी म. सा. एवं साध्वी जी श्री स्वर्णांजना श्री जी म. सा. की प्रेरणा से श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल द्वारा रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में गौशाला में गौमाता और अन्य जीवों की सेवा की गई जिसमें गायों को हरा चारा, गुड़, पक्षियों को दाना आदि सदस्यों द्वारा खिलाया गया।

मंडल द्वारा इस वर्ष 25 से अधिक गौशालाओं में सहायता राशि प्रदान की जाएगी। आज के जीवदया कार्यक्रम में उपाध्यक्ष अनिल भडकतिया, महामंत्री ललित डाकलिया, कोषाध्यक्ष पृथ्वीराज श्रीश्रीमाल, जीवदया संयोजक भरत कोठारी, कुनाल मरलेचा ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

स्वतंत्रता दिवस मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। साहुकारपेट स्थित तेरापंथ जैन विद्यालय में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि त्रिवेणी ग्रुप ऑफ कंपनी के अध्यक्ष विश्वनाथ शर्मा द्वारा झंडारोहण किया गया। प्रिंसिपलमर्सी जेसिन्ता के स्वागत भाषण के बाद विद्यार्थियों ने तमिल, हिंदी, अंग्रेजी में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में जोशीले अन्दाज मे अपने विचार प्रकट किये। मुख्य अतिथि ने शत-प्रतिशत प्राप्तांक, शत-प्रतिशत उपस्थिति, 10वीं एवं 12वीं कक्षा के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त एवं विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। सम्मान की इस कड़ी में शिक्षकों को भी शत-प्रतिशत उपस्थिति, शत-प्रतिशत अंक प्राप्ति एवं शत-प्रतिशत परिणाम में सहयोग हेतु मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। एल के जी से 12वीं तक के शिक्षकों को तीन विभागों में विभक्त कर श्रेष्ठ अध्यापक (तीनो श्रेणी में) एवं सर्वश्रेष्ठ अध्यापक के नाम की घोषणा महासंवादाता ने की। मुख्यअतिथियों को सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि एवं ट्रस्ट के चेयरमेन गौतमचंद बोहरा ने स्वतंत्रता दिवस पर अपने विचार व्यक्त किये। मुख्य अतिथि का परिचय स्कूल कमेटी संयोजक महेन्द्र आंचलिया ने प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति से ओत: प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। कार्यक्रम में मैनेजिंग ट्रस्टी मेघराज लुणावत, सचिव रेख धोका, सहसचिव डॉ कमलेश नाहर, कोषाध्यक्ष गौतमचंद समदड़िया, पट्टालम स्कूल कमेटी संयोजक प्रमोद गादिया आदि गणमान्य उपस्थित थे।

दुख में दुखी न हों और सुख में लीन न हों : साध्वी आगमश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां सेपिंग्स रोड स्थित हीराबाग जैन स्थानक में विराजित साध्वी आगमश्रीजी म. सा. ने शनिवार को अपने प्रचवन में बताया कि जिंदगी दो दिन की है। एक दिन है आपके पक्ष में और एक दिन आपके विपक्ष। जो दिन आपके पक्ष में है उसमें गुरूर मत करना जो आपके खिलाफ है उस दिन थोड़ा सब्र जरूर करना। जो अपने तन, मन, धन, परिवार के वश में हो जाए तो खुशी और वश में ना रहें तो दु:खी होता है। धर्म स्ट्रीट लाइट की तरह है जिसका उपयोग तो सब करते है, पर उस पर अधिकार किसी का नहीं होता। आत्मा को मन को अनुशासित करने के लिए ज्ञानियों ने चार सूत्र रखे हैं। पहला दु:ख में दीन नहीं होना, दूसरा सुख में लीन नहीं होना, तीसरा पाप में प्रवीण नहीं होना, चौथा धर्म में हीन नहीं होना। आत्मा को अनुशासित करना है तो इन चार बातों को जीवन के आचरण में लाना होगा।

प्रवचन के पश्चात् कॉक्स टाउन महिला मंडल ने धार्मिक तंबोला का आयोजन किया। राखी गादिया ने सबको धार्मिक कथा के माध्यम से जैन धर्म के बारे मे बहुत सुंदर तरीके से समझाया। अध्यक्ष भीकमचंद सखलेचा एवं वरिष्ठ श्रावक जब्बरचंद कांकरिया ने निर्णायक बनकर विजेताओं उपहार दिए। मंत्री अशोक बांठिया ने संचालन किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.

Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.